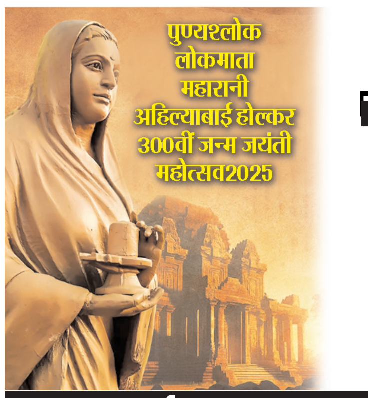

दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

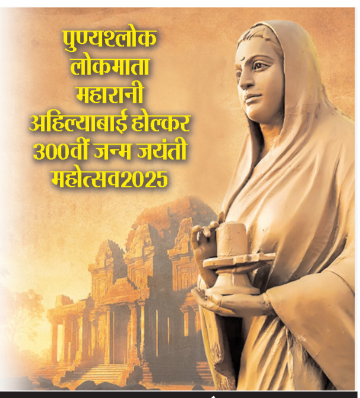

वर्ष-15 अंक-330 | भोपाल, बुधवार 28 मई 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

सरकार ने बना लिया 44000 करोड़ का प्लान

अब न आकाश, न समंदर, भारत पर हमला नहीं कर पाएंगे चीन-पाकिस्तान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय वायुसेना और थल सेना ने जिस तरह से दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया, उसने दुनिया को भारत की सैन्य ताकत का अंदाज़ा करा दिया। अब सरकार समुद्री सुरक्षा को भी नई धार देने जा रही है। चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने भारतीय नौसेना को और मजबूत करने का फैसला लिया है। इसी दिशा में रक्षा मंत्रालय ने 44,000 करोड़ रुपये की लागत से 12 माइन काउंटरमेजर वेसल्स यानी 'बारूदी सुरंग खोजी और नष्ट करने वाले युद्धपोत' बनाने की योजना को हरी झंडी दिखा दी है।

समुद्र की चुप्पी में छिपे खतरे होंगे खत्म- इन विशेष युद्धपोतों की सबसे बड़ी ताकत यह होगी कि ये समुद्र की गहराइयों में दुश्मन द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों को ढूंढने और उन्हें निष्क्रिय करने में सक्षम होंगे। भारत की विशाल 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और सैकड़ों पोर्ट्स की सुरक्षा के लिए ऐसे जहाज अब ज़रूरत बन चुके हैं।

भारत में ही होगा निर्माण, मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा- सरकार ने यह तय किया है कि इन 12 एमसीएमवी को पूरी तरह से भारतीय शिपयार्ड्स में ही बनाया जाएगा। इससे ना सिर्फ नौसेना की ताकत बढ़ेगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा। यह परियोजना लंबे समय से ठप पड़ी थी, लेकिन अब इसे दोबारा शुरू किया जा रहा है।

7-8 साल में बनकर तैयार होंगे पहले युद्धपोत- रक्षा मंत्रालय जल्द ही इस परियोजना को डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल के समक्ष प्रस्तुत करेगा। एसेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी मिलते ही टेक्नो-कमर्शियल बिड्स मंगाई जाएंगी और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके बाद पहला पोत तैयार होने में लगभग 7 से 8 साल का समय लगेगा।

समुद्री सीमा की सुरक्षा होगी और सख्त- विशेषज्ञों के मुताबिक, यह परियोजना रणनीतिक रूप से बेहद अहम है, खासकर तब जब चीन की पनडुब्बियां और पाकिस्तान की युआन-क्लास डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन लगातार भारत के समुद्री हितों के लिए खतरा बनी हुई हैं। ऐसे में माइन काउंटरमेजर वेसल्स की तैनाती भारत को समुद्री मोर्चे पर और अधिक सक्षम बनाएगी।

● भारतीय नौसेना के पास नहीं है एक भी एमसीएमवी

फिलहाल भारतीय नौसेना के पास एक भी समर्पित माइन हंटर पोत मौजूद नहीं है। पहले मौजूद करवार और पॉन्डिचेरी क्लास के पोत रिटायर हो चुके हैं। अब कुछ गिने-चुने जहाजों पर क्लिप-ऑन माइन काउंटरमेजर सुइट्स लगे हैं, लेकिन ये देश की समग्र समुद्री सुरक्षा के लिहाज़ से काफी नहीं हैं।

पति-पत्नी के विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने दी गजब की सलाह- तलाक से पहले एक डिनर डेट तो बनती है

नईदिल्ली (एजेंसी)। 26 मई 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक ऐसा मामला सामने आया जिसने न सिर्फ न्यायालय की संवेदनशीलता को

उजागर किया बल्कि यह भी दिखाया कि कानून के साथ-साथ रिश्तों को बचाने की पहल भी की जा सकती है। यह मामला एक फैशन उद्यमी महिला और उसके पति से जुड़ा है, जो तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और अपने तीन साल के बेटे की कस्टडी को लेकर भी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने एक ऐसी सलाह दी जो कोर्ट की चारदीवारी से बाहर भी चर्चा का विषय बन गई।

कॉफी पर बहुत कुछ सुधर सकता है : सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने दोनों पक्षों से कहा कि वो एक बार फिर आपस में बातचीत करें और कोशिश करें कि इस रिश्ते को पूरी तरह खत्म होने से पहले थोड़ी और कोशिश की जाए। जजों ने यहां तक कह दिया कि हमारी कैंटीन इसके लिए ठीक नहीं है, लेकिन हम आपको एक और ड्रॉइंग रूम दे सकते हैं, जहां आप शांति से बात कर सकें।

यौन शोषण में बरी बृजभूषण का अयोध्या में स्वागत

● कहा- जो मेरा विरोध करेगा, भगवान उसे दंड देंगे, क्योंकि मैं हनुमानजी का भक्त

अयोध्या (एजेंसी)। नाबालिग पहलवान से यौन शोषण मामले में बरी होने के बाद बृजभूषण सिंह पहली बार अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर 1000 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद वे हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे और हनुमान जी के दर्शन-पूजन किए।

बृजभूषण बोले- मैंने कहा था कि अगर मेरे ऊपर लगे आरोप साबित हो जाते हैं तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। कोर्ट के फैसले ने मेरी उस बात को सही साबित कर दिया। भूपेंद्र हुड्डा 11 बजे तक मुख्यमंत्री बनने वाले थे, लेकिन संत्री भी नहीं बन पाए। आम आदमी पार्टी का तो सत्यानाश हो गया।

मेरा जो भी विरोध करेगा, भगवान उसे दंड देंगे, क्योंकि मैं हनुमान जी का भक्त हूं। जो लोग मुझ पर आरोप लगा रहे थे, वही कभी मुझे 'कुश्ती का भगवान' कहते थे। एक गीत मैं उन्हीं लोगों के लिए कहना चाहता हूं- कभी पास आके वो इतना बता दें, मुझे सता कर क्या मिला?

गुजरात में बोले पीएम मोदी

प्रथम गृह मंत्री पटेल की सलाह मान ली गई होती तो पहलगाम हमला कभी नहीं हो पाता

ऑपरेशन सिंदूर कैमरे के सामने किया, ताकि कोई सबूत न मांगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात दौरे पर गए प्रधानमंत्री मोदी ने आज बड़ा बयान देते हुए कहा कि अगर 1947 में देश के विभाजन के बाद प्रथम गृह मंत्री सरदार पटेल की सलाह मान ली गई होती तो पहलगाम हमला कभी नहीं हो पाता। पीएम ने कहा कि अगर पटेल साहब की बात मानी होती तो भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां रुक गई होतीं।

सरदार पटेल की सलाह नजरअंदाज की गई- गांधीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने दावा किया कि पाकिस्तान की ओर से कश्मीर पर कब्जा करने के लिए आक्रमण करने वाले मुजाहिद्दीन लड़ाकों से निपटने के बारे में पटेल की सलाह को कथित तौर पर नजरअंदाज कर दिया गया।

1947 में भारत माता के टुकड़े कर दिए गए- पीएम मोदी ने कहा, 1947 में भारत माता के टुकड़े कर दिए गए। जब जंजीरें काटनी चाहिए थीं, तब हाथ काट दिए गए। देश तीन टुकड़ों में बंट गया और उसी रात कश्मीर की धरती पर पहला आतंकी हमला हुआ। पाकिस्तान ने मुजाहिद्दीन के नाम पर आतंकियों की मदद से भारत माता के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया।

- **आज गुजरात की तरक्की पूरी दुनिया देखती है-** पीएम ने कहा कि 2035 में जब गुजरात 75 साल का होगा, तो बहुत आगे बढ़ चुका होगा। जब गुजरात महाराष्ट्र से अलग हुआ तो चर्चा होती थी कि अलग होकर गुजरात क्या करेगा। तीनों तरफ समुद्र है। दूसरी तरफ पाकिस्तान है। गुजरात के पास कोई मिनरल्स नहीं, गुजरात तरक्की कैसे करेगा। लेकिन, आज गुजरात पूरी दुनिया में जाना जाता है।
- **गुजरात ने नमक से लेकर हीरे तक की यात्रा पूरी की-** मोदी ने कहा कि गुजरात ने नमक लेकर हीरे तक की यात्रा पूरी कर ली है। हमने योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाए। हमारे सरकारी मॉडल की चर्चा पूरे देश में हो रही है। पहले गुजरात में पर्यटन के बारे में कोई बात नहीं करता था, लेकिन अब विदेशी लोग घूमने के लिए गुजरात आते हैं।
- **अभी तो गणेशजी भी विदेशी आ जाते हैं-** 2047 में जब भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो जाएंगे, तो हम ये तय कर लें कि देश की इकोनॉमी को 4 नंबर से 3 नंबर पर ले जाने के लिए हम किसी विदेशी चीज का उपयोग नहीं करेंगे। हमें गांव-गांव जाकर व्यापारियों को ये शपथ दिलानी होगी कि कितना भी मुनाफा हो, वे विदेशी माल नहीं बचेंगे। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, गणेशजी भी विदेशी आ जाते हैं। छोटी आंख वाले गणेशजी। होली पर रंग भी छिड़कना है तो विदेशी।

कांग्रेस बोली- प्रेम चोपड़ा की तरह डायलॉग मार रहे मोदी, गंभीर सवालों का जवाब नहीं दे रहे, उनके सांसद भी ओछी राजनीति कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों को न पकड़ पाने के लिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश को अब तक कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिले, जिनमें से एक है कि पाकिस्तान के साथ किन शर्तों पर सीजफायर समझौता हुआ। मोदी इन अहम सवालों के जवाब की बजाय फिल्मी डायलॉगबाजी कर रहे हैं और उनके सांसद ओछी राजनीति कर रहे। पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा-सिंदूर मेरी रगों में बहता है, गोलियां खाओ, रोटियां खाओ जैसे डायलॉग बोल रहे थे। पीएम मोदी कभी प्रेम चोपड़ा की तरह तो कभी परेश रावल की तरह डायलॉग मार रहे हैं। कभी कहते हैं कि सिंदूर मेरी रगों में बहता है।

देश की पहली महिला सीजेआई बनेंगी जस्टिस बी वी नागरत्ना

● कोर्ट्स ऑफ इंडिया का कन्नड़ अनुवाद किया, पिता भी सीजेआई रहे

नईदिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस बी वी नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम में शामिल होने वाली पहली महिला जज बन गई हैं। 23 मई को जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका के रिटायरमेंट के चलते 25 मई को जस्टिस नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सबसे सीनियर जज बन गईं।

सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम में 5 सबसे सीनियर जज ही रहते हैं, जिसमें सीजेआई यानी चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया भी शामिल होते हैं। भारत में सीजेआई की नियुक्ति वरिष्ठता के आधार पर होती है। ऐसे में बी वी नागरत्ना 11 सितंबर 2027 को भारत की 50वीं मुख्य न्यायाधीश बनेंगी। वो इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला होंगी। उनका कार्यकाल लगभग 1 महीने का होगा। वो 29 अक्टूबर 2027 को सीजेआई के पद से रिटायर होंगी।

सीजेआई के घर पैदा हुईं, डीयू से लॉ की पढ़ाई की- नागरत्ना का जन्म 30 अक्टूबर 1962 को बेंगलुरु में जस्टिस ई. एस. वेंकेटरमैय्या के घर हुआ।

कोटा में 18 साल की नीट एस्पिरेंट ने सुसाइड किया

कमरे में नहीं लगा था एंटी-हैंगिंग डिवाइस; इस साल का 15वां सुसाइड

जयपुर (एजेंसी)। 18 साल की नीट एस्पिरेंट ने कोटा में सुसाइड कर लिया। छात्रा जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थी और कोटा के प्रताप चौराहे स्थित पीजी में रहकर तैयारी कर रही थी। ये इस साल का कोटा में हुआ 15वां स्टूडेंट सुसाइड का मामला है।

रिश्तेदार को फोन कर कहा- सुसाइड कर रही हूं- महावीर नगर पुलिस स्टेशन के सर्किल इंस्पेक्टर रमेश काविया ने बताया, 'सुसाइड करने से पहले रविवार को छात्रा जीशान ने अपने किसी रिश्तेदार से बात की थी और बताया था कि वो शायद सुसाइड कर सकती है।' इसके बाद बुरहान नाम के उसके रिश्तेदार ने तुरंत पीजी में ही रहने वाली अन्य छात्रा ममता को फोन करके जीशान को देखने के लिए कहा था।

देश में कोरोना के 1047 एक्टिव केस, 11 की मौत

● महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 5 मौतें, एक हफ्ते में 787 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 1047 हो गई है। सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस केरल में हैं। महाराष्ट्र में 208, दिल्ली में 104 और गुजरात में 83 केस हैं। कर्नाटक के 80 केसों में से सिर्फ 73 बेंगलुरु में हैं।

वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कुल 11 मरीजों की मौत हो चुकी है। इनमें से नौ की मौत एक हफ्ते के भीतर हुई है। कोरोना से सबसे ज्यादा पांच मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। ठाणे में सोमवार को एक महिला की मौत हुई।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में 787 नए मरीज दर्ज किए गए हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के डायरेक्टर डॉ राजीव बहल ने बताया कि अभी तक देश में 4 वैरिएंट मिले हैं। इनमें एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और एनबी.8.1 वैरिएंट शामिल हैं।

बारिश-बिजली से केरल और महाराष्ट्र में 5 की मौत

● लैंडस्लाइड से सैकड़ों घरों को नुकसान, मुंबई-ठाणे में आज बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली/मुंबई/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। केरल में 24 मई को मानसून की दस्तक के बाद लगातार बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है। बारिश-लैंडस्लाइड के चलते 29 घर ढह गए, 868 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं। निचले इलाके जलमग्न हैं।

मौसम विभाग ने मंगलवार को तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्नाकुलम, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां बारिश के साथ 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की आशंका है।

वहीं, महाराष्ट्र में सोमवार को दो लोगों की मौत हो गई। ठाणे में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मुंबई में लगातार बारिश के कारण पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 26 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।

मुंबई और ठाणे में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। मुंबई में सोमवार को मानसून ने तय समय से 16 दिन पहले दस्तक दी थी। पहले ही दिन अंधेरी, भांडुप, पवई में बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। लोकल ट्रेन और फ्लाइट्स भी प्रभावित हुईं। वर्गी अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया।

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 14 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने की वजह से अगले चार दिन तक आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून और मुंबई में 11 जून को पहुंचता है।

मौसम विभाग ने आज हिमाचल प्रदेश में बारिश, आंधी-तूफान, बिजली और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। 27-28 मई को शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उधर, मध्य प्रदेश में तेज गर्मी रही और 6 जिलों में तेज बारिश भी हुई।

कार-ट्रक की टक्कर में दो भाइयों समेत 3 की मौत

गाड़ी में बुरी तरह फंस गए शव; मप्र से खाटूश्यामजी जा रहे थे

जयपुर (एजेंसी) जयपुर में ट्रक-कार की आमने-सामने की टक्कर में दो भाइयों समेत 3 की मौत हो गई। दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार सवार बुरी तरह से फंस गए। बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला गया। एक्सीडेंट मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे-148 पर रायसर थाना क्षेत्र में रतनपुरा

गांव के पास मंगलवार दोपहर 2.45 बजे हुआ। कार सवार लोग रायबरेली (उत्तरप्रदेश) के रहने वाले थे। एएसपी जयपुर ग्रामीण नारायण लाल तिवाड़ी ने बताया- कार सवार युवक खाटूश्यामजी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। कार ओवर टेक करने के दौरान सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। कार सवार अजय यादव, उसका भाई अभय यादव और आकाश यादव की मौत हो गई। वहीं, शिवम मौर्य और शुभम शर्मा गंभीर घायल हो गए, जिनका निम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई- टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। युवक कार में बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। आधे घंटे की मशक्कत के बाद कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

संक्षिप्त समाचार

भारत से बातचीत और सुलह के लिए गिड़गिड़ा रहा पाक, शहबाज शरीफ ने कहा, हम सभी विवादों को सुलझाना चाहते हैं

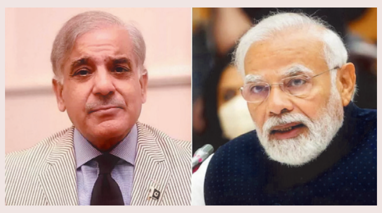

इस्लामाबाद, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर, आतंकवाद, जल एवं व्यापार समेत सभी मुद्दों के समाधान के लिए सोमवार को भारत के साथ शांति वार्ता की इच्छा व्यक्त की। तुर्किए से ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचने के बाद शहबाज ने राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मुलाकात की। बाद में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में शहबाज ने कहा कि वह शांति की खातिर भारत के साथ बातचीत को तैयार हैं। साथ ही भारत द्वारा युद्ध का रास्ता चुनने पर जवाबी कार्रवाई की धमकी भी दी।

शहबाज ने कहा, अगर वे आक्रामक बने रहना चुनते हैं, तो हम अपने क्षेत्र की रक्षा करेंगे.. जैसा हमने कुछ दिन पहले किया है। लेकिन अगर वे शांति के मेरे प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं, तो हम दिखाएंगे कि हम वास्तव में गंभीरता एवं ईमानदारी से शांति चाहते हैं। शहबाज ने दावा किया कि भारत के साथ चार दिवसीय संघर्ष में पाकिस्तान विजयी रहा।

भारत दे चुका साफ संदेश: उल्लेखनीय है कि भारत स्पष्ट कर चुका है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल उसके कब्जे वाले कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।शहबाज ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान पेजेश्कियन की चिंता की सराहना भी की। साथ ही इस दौरान पाकिस्तान का दौरा करने के लिए ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची को सराहा और उन्हें उत्कृष्ट राजनयिक कहा।

शहबाज के साथ उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार, सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर, आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और प्रधानमंत्री के विशेष सहायक तारिक फातमी भी गए हैं।

डरने की जरूरत नहीं, जीत सरकार की होगी..., राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर दी हार्वर्ड की फंडिंग रोकने की धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि उन्हें हार्वर्ड विश्वविद्यालय से टकराव में जीत मिली है। उन्होंने एक बार फिर दुनिया के इस शीर्ष विश्वविद्यालय को मिलने वाले अरबों डॉलर के अनुदान को रोकने की धमकी दी।

स्मृति दिवस (मेमोरियल डे) पर अवकाश के दिन ट्रंप ने अपने संदेश में कहा, मैं बहुत यहूदी विरोधी (एंटीसेमिटिक) हार्वर्ड से तीन अरब डॉलर के अनुदान को वापस लेने और उसे देशभर के ट्रेड स्कूलों को देने पर विचार कर रहा हूं। स्मृति दिवस पर अमेरिका में राष्ट्रीय अवकाश होता है। इसे हर साल मई के आखिरी सोमवार को मनाया जाता है। इस दिन अमेरिकी सेना के उन जवानों को याद किया जाता है, जो देश की सेवा में अपनी जान गंवा चुके हैं।

उन्होंने एक बार फिर हार्वर्ड से विदेशी छात्रों की संख्या कम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि वह हार्वर्ड से इन छात्रों की सूची मिलने का इंतजार कर रहे हैं। विदेशी छात्र अमेरिका के इस सबसे पुराने विश्वविद्यालय की आय का एक अहम स्रोत हैं। ट्रंप ने कहा कि वह यह सूची इसलिए चाहते हैं, ताकि वह तय कर सकें कि अरबों डॉलर के फिजूल खर्च के कितने कट्टरपंथ और उपद्रवी लोग ऐसे हैं, जिन्हें अमेरिका में वापस नहीं आने देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है, आखिर में जीत सरकार की ही होगी। ट्रंप प्रशासन ने पिछले हफ्ते हार्वर्ड को विदेशी छात्रों के दाखिले रोकने के लिए आदेश दिया था। लेकिन शुक्रवार को एक जज ने इस आदेश को इस सप्ताह की सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दिया। अब तक 162 नोबेल पुरस्कार विजेता देने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय से ट्रंप बहुत नाराज हैं, क्योंकि उसने अमेरिकी सरकार की दाखिला और भर्ती पर कड़ी निगरानी को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप का दावा है कि यह विश्वविद्यालय यहूदी-विरोधी और सचेत उदारवादी (लिबरल) विचारधारा का गढ़ है। राष्ट्रपति ट्रंप उन अमेरिकी विश्वविद्यालयों और मीडिया जैसे अन्य संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं, जिन्हें वह देश में वामपंथी विचारधारा की ओर झुकाव रखने वाले समझते हैं। ट्रंप ने हार्वर्ड को सरकार से मिलने वाले 9 अरब डॉलर के अनुदान की समीक्षा करने की धमकी दी है। उन्होंने पहले 2.2 अरब डॉल के अनुदान और 60 मिलियन डॉलर के सरकारी अनुबंध रोक दिए हैं।

बांग्लादेश आर्मी बोली- तख्तापलट की अटकलें गलत: ऐसा इरादा नहीं

आर्मी चीफ ने कहा था- यूनुस सरकार सीमा मसले पर फैसला नहीं ले सकती

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की सेना ने देश में अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के तख्तापलट की अटकलों को अफवाह बताया है। बांग्लादेशी अखबार डेली स्टार के मुताबिक सेना मुख्यालय के सीनियर अधिकारियों ने सोमवार को ढाका कैंट में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है और हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं है। दूसरी तरफ सेना ने रखाइन कॉरिडोर को संवेदनशील मुद्दा बताते हुए समझौता नहीं करने की बात कही। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में सेना ने कहा, कॉरिडोर एक संवेदनशील मुद्दा है। बांग्लादेश की सेना कभी भी ऐसी किसी कार्रवाई में शामिल नहीं होगी जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता हो।

सरकार और सरकार में तकरार खुलकर सामने आई: बांग्लादेश में पिछले हफ्ते अंतरिम सरकार और सेना के बीच टकराव खुलकर सामने आया था। आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमा ने 22 मई को सैन्य मुख्यालय में अपने अधिकारियों को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि आम चुनाव इस साल दिसंबर से आगे नहीं टलने चाहिए। आर्मी चीफ ने चेतावनी दी कि यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के पास संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर निर्णय लेने का कोई नैतिक या संवैधानिक अधिकार नहीं है। रखाइन कॉरिडोर के मुद्दे पर सेना मार्च से ही कह रही है कि हमारी सहमति के बिना इसे बनाना अवैध है।

म्यांमार सीमा पर गलियारा बनाने को लेकर सरकार-सेना में टकराव: दरअसल, बांग्लादेश में म्यांमार सीमा पर रखाइन जिले में मानवीय गलियारा बनाने की कथित योजना को लेकर सेना और सरकार आमने-सामने है। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने घोषणा की थी कि अंतरिम सरकार ने अमेरिका की तरफ से प्रस्तावित रखाइन कॉरिडोर पर सहमति व्यक्त कर दी है। जब यह बात सेना को पता चली तो उनकी तरफ से नाराजगी जताई गई। आर्मी चीफ वकार ने 21 मई को इसे खूनी कॉरिडोर बताया और अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि बांग्लादेश की सेना कभी भी किसी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगी जो संप्रभुता के लिए हानिकारक हो। न ही किसी को ऐसा करने की इजाजत दी जाएगी। इसके बाद यूनुस सरकार ने यू-टर्न लेते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी देश के साथ म्यांमार सीमा पर रखाइन कॉरिडोर को लेकर समझौता नहीं किया है।

यूनुस बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार बने रहेंगे: बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उथल पुथल के बीच सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस अपने पद पर बने रहेंगे। इससे पहले माना जा रहा था कि वो राजनीतिक और सैन्य दबाव के चलते इस्तीफा दे सकते हैं। मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को सलाहकार परिषद की एक बैठक बुलाई थी। इस बैठक के बाद प्लानिंग एडवाइजर वाहिदुद्दीन महमूद ने कहा-

मोहम्मद यूनुस हमारे साथ बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम लोगों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। न्यूज एजेंसी यूएनबी के मुताबिक सलाहकार परिषद की एक बैठक के बाद जल्द मंत्रियों के साथ बैठक होगी।

वहीं, सेना प्रमुख वकार-उज-जमां ने स्पष्ट रूप से दिसंबर तक चुनाव कराने का अल्टीमेटम दिया है। दूसरी ओर, विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी के बीच चुनाव को लेकर चर्चा और सड़कों पर संघर्ष की रणनीतियां बन रही हैं।

खालिदा जिया ने भी दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने भी यूनुस पर दबाव बढ़ाते हुए दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार जल्द चुनावी रोडमैप तैयार कर इसकी सार्वजनिक घोषणा नहीं करती, तो उनका सरकार के साथ सहयोग जारी रखना मुश्किल हो जाएगा।

अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस ने अब तक चुनावों को जनवरी-जून 2026 के बीच कराने की बात कही है। सेना इसे दिसंबर 2025 से आगे खींचने को लेकर नाराज है। इसके चलते आगे टकराव तेज हो सकते हैं।यूनुस के अलावा कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी भी चुनाव टालने के पक्ष में हैं। सूत्रों से संकेत मिल रहे हैं कि सरकार को पांच साल तक बने रहने की उम्मीद थी, जिसे सेना-छात्रों के दबाव ने गंभीर संकट में डाल दिया है। गृह मंत्रालय के सलाहकार भी कह चुके हैं कि जनता चाहती है कि यह सरकार पांच साल तक बनी रहे।सैन्य अधिकारियों ने यहां तक कहा कि अगर सरकार जिद पर अड़ी रही, तो हालात बेकाबू हो सकते हैं।

पाकिस्तान के आतंकियों का खुलेआम साथ दे रहा तुर्किये, राष्ट्रपति एर्दोगन के ऑपरेशन सिंदूर पर दिए बयान पर क्यों छिड़ी चर्चा ?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और तुर्किये लगातार रिश्ते मजबूत बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं। अब तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को बधाई दी है। असीम मुनीर को उनके प्रमोशन के लिए बधाई दी गई है। बता दें हाल ही में मुनीर का प्रमोशन हुआ और शरीफ सरकार ने उन्हें वहां का फील्ड मार्शल बनाया है। पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार आतंकवादी हमले पर भारत की सैन्य प्रतिक्रिया और उसके बाद इस्लामाबाद और रावलपिंडी की तरफ से की गई बढ़ोतरी के बाद, पाकिस्तान का आतंकवाद और सैन्य ढांचा कमजोर पड़ गया, इस्लामाबाद ने अपने सेना प्रमुख का प्रमोशन करने का फैसला लिया।

पाक पीएम ने एर्दोआन को किया धन्यवाद : वहीं पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने सैन्य टकराव के दौरान अपने देश के समर्थन के लिए एर्दोआन को धन्यवाद भी दिया ।

एर्दोआन ने ऑपरेशन सिंदूर पर क्या कहा? : भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराने के बाद तुर्किये के राष्ट्रपति की ओर से सीधे आए संदेश में एर्दोआन ने कहा, मैं हमलों में अपनी जान गंवाने वाले हमारे भाइयों के लिए अल्लाह से प्रार्थना करता हूं, और मैं पाकिस्तान के भाईचारे वाले लोगों और राज्य के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

बस एक मजाक था, मैक्रों ने तोड़ी चुप्पी

विमान में पत्नी द्वारा धक्का दिए जाने का वीडियो हुआ था वायरल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पत्नी ब्रिजिट मैक्रों के साथ विवाद की अटकलों को खारिज कर दिया है। दरअसल, बीते दिन एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें मैक्रों दंपती वियतनाम पहुंचे थे। वीडियो में विमान से उतरने से पहले ब्रिजिट मैक्रों को राष्ट्रपति के चेहरे को दोनों हाथों से पीछे की तरफ धकेलते हुए दिखाया गया था। वियतनाम मैक्रों के दक्षिण पूर्व एशिया के दौरे का पहला पड़ाव है। यहां वे फ्रांस को अमेरिका और चीन की जगह एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में पेश करेंगे। यह लगभग एक दशक में किसी फ्रांसीसी राष्ट्रपति का पहला दौरा है। मैक्रों इंडोनेशिया और सिंगापुर का भी दौरा करेंगे।

मामले को बेवजह में तूल दिए जाने की बात कही: घटना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मैक्रों ने मामले को बेवजह में तूल दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा, मैं और मेरी पत्नी झगड़ रहे थे। हलांकि, यह बहस कम मजाक ज्यादा था। हम बस मजाक कर रहे थे। मैं आश्चर्यचकित था। फ्रांसीसी नेता ने 2007 में ब्रिगिट से शादी की थी। उनकी मुलाकात हाई स्कूल में हुई थी। ब्रिगिट वहां पढ़ाती थीं। उन्होंने कहा, मामला अब एक तरह की आपदा बन गई है। कुछ लोग तो सिद्धांतों की बातें भी कर रहे हैं।

गलत सूचना फैलाने वालों को जिम्मेदार ठहराया: मैक्रों ने वीडियो को लेकर हो रहे हंगामे को गलत सूचना फैलाने वालों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का मकसद उस हल्के-फुल्के पल को खराब कराना था। राई का पहाड़ बना देना था। उन्होंने चिंता जताई कि हाल के हफ्तों में यह पहली बार नहीं था।

उनके वीडियोज़ को पहले भी तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने ऐसे लोगों को पागल कहा था।

रूसियों और फ्रांस में चरमपंथियों को घेरा: फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, वीडियो में मैंने एक टिशू लिया, किसी से हाथ मिलाया और अपनी पत्नी के साथ मजाक किया। ऐसा हम अक्सर करते हैं। इससे ज्यादा कुछ नहीं। उन्होंने ऐसे नेटवर्क को दोषी ठहराया, जिसका पता लगाना काफी आसान है। उनका इशारा रूसियों और फ्रांस में चरमपंथियों की ओर था।

वायरल वीडियो में क्या?: यह वीडियो रविवार शाम का है, जब राष्ट्रपति मैक्रों वियतनाम के हनोई शहर पहुंचे। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान का दरवाजा खुलते ही एक यूनिफॉर्म में अधिकारी दरवाजा खोलता है। तभी एक महिला के हाथ (लाल जैकेट में) अचानक सामने आते हैं और राष्ट्रपति मैक्रों के चेहरे को दोनों हाथों से हल्का धक्का देते हैं - एक हाथ उनके मुंह और नाक पर होता है, दूसरा उनके जबड़े पर। इस अप्रत्याशित हरकत से मैक्रों थोड़े चौंक जाते हैं और पीछे हटते हैं, लेकिन फिर जल्दी से मुस्कुरा कर कैमरे की ओर हाथ हिलाते हैं। इसके बाद दोनों पति-पत्नी सीढ़ियों से नीचे आते हैं, हालांकि ब्रिजिट इमैनुएल मैक्रों की तरफ से आगे बढ़ाए गए हाथ को पकड़ने से इनकार करती देखी जा सकती हैं।

राष्ट्रपति कार्यालय ने क्या दिया स्पष्टीकरण?: जब यह मामला सुर्खियों में आया, तो फ्रांस के राष्ट्रपति भवन (एलीसी पैलेस) ने सफाई दी। उन्होंने इसे कोई विवाद नहीं बल्कि एक निजी, मजाकिया पल बताया। वहीं राष्ट्रपति कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, यह वह क्षण था जब राष्ट्रपति और उनकी पत्नी दौरे की शुरुआत से पहले थोड़ा हल्का-फुल्का मूड बना रहे थे।

ट्रम्प के परिवार को 13 हजार करोड़ का गिफ्ट

वियतनाम ने गोल्फ रिसोर्ट दिया, अमेरिका से दोस्ती बढ़ाने की कोशिश कर रहे देश

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई देश अब ट्रम्प कुनबे को अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट्स देकर अमेरिका से रिश्ते बेहतर करने की होड़ में लग चुके हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन सौदों में कई देश कानूनी प्रक्रियाओं को नजरअंदाज कर कानूनी रियायतें दें रहे हैं। वियतनाम के विन फुक प्रांत में 13 हजार करोड़ का 'ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ रिसोर्ट' प्रोजेक्ट ऐसा ही मामला है। इसे वियतनाम की सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता बताकर मंजूरी दे दी।

इसमें भूमि अधिग्रहण और वित्तीय जांच जैसी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह परियोजना ट्रम्प के कुनबे से जुड़ी है, इसलिए इसे कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना मंजूरी दी गई। वहीं, इंडो?नेशिया के बाली और वेस्ट जावा में भी ट्रम्प कुनबे को होटल और गोल्फ कोर्स जैसे प्रोजेकट ऑफर किए गए हैं। इनमें भी कानूनी ?प्रक्रियाओं को नजरअंदाज किया गया है।

वियतनाम और इंडोनेशिया के अलावा ट्रम्प कुनबे को तुर्किये व अजरबैजान जैसे देश भी साधने में लगे हैं। तुर्किये के इस्तांबुल में ट्रम्प टावर्स रेसिडेंशियल और ऑफिस कॉम्प्लेक्स जैसे प्रोजेक्ट ट्रम्प के परिवार को ऑफर किए गए हैं। इन प्रोजेक्ट्स में डोगान होल्डिंग से साझेदारी हुई है। वह तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयब एर्दोगान की पार्टी एकेपी के करीबी माने जाते हैं। अजरबैजान का ट्रम्प इंटरनेशनल होटल। यह प्रोजेक्ट बिजनेसमैन मम्मदोव के साथ मिलकर किया जा रहा है। यहां वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता पर सवाल उठे ?हैं। फिलीपींस भी ट्रम्प कुनबे को प्रोजेक्ट देने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, यहां ट्रम्प को प्रोजेक्ट ऑफर करने के लिए परदे के पीछे लॉबिंग की जा रही है।

पाकिस्तान ने भी ट्रम्प एआई प्रोजेक्ट को 2 हजार मेगावाट बिजली दी

पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने ट्रम्प की साझेदारी वाले एआई प्रोजेक्ट के लिए दो हजार मेगावाट बिजली आवंटित की है। इस बिजली का इस्तेमाल कर बिटकॉइन माइनिंग की जाएगी। साथ ही एआई डेटा सेंटर्स में भी इस बिजली का इस्तेमाल होगा। बता दें कि पाक सरकार ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय निवेश को आकर्षित करने के लिए क्रिप्टोकरेंसी को वैध करने का फैसला किया है।

यूनिवर्सिटी में छात्रा ने पीरियड पर छुट्टी मांगी तो टीचर ने की अपमानजनक मांग, छिड़ गई बहस

बीजिंग, एजेंसी। क्या पीरियड के दौरान छुट्टी लेने के लिए किसी छात्रा को अपनी पैंट उतारनी पड़ सकती है? सुनने में यह भले ही अकल्पनीय लगे, लेकिन चीन की राजधानी बीजिंग के एक प्रतिष्ठित संस्थान में ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने छात्रा को मानसिक सदमे में डाल दिया और देशभर में महिला अधिकारों को लेकर बहस छेड़ दी। यह घटना 15 मई की है, जब पीड़ित छात्रा छुट्टी की दरख्वास्त लेकर कैंपस क्लिनिक पहुंची। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो जारी कर बताया कि स्टाफ ने उससे कहा द्मद्ध अगर छुट्टी चाहिए तो अपनी पैंट उतारो और साबित करो कि तुम्हें पीरियड हो रहा है। छात्रा द्वारा आपत्ति जताने पर महिला स्टाफ ने यह कहकर बात को टाल दिया कि, यह मेरा निजी फैसला नहीं, बल्कि संस्थान का नियम है। यह वीडियो और बयान जैसे ही चीन की सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

यूनिवर्सिटी का अजीबोगरीब पक्ष

घटना के अगले दिन यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सफाई दी कि जांच छात्रा की सहमति से की गई और कोई मेडिकल उपकरण इस्तेमाल नहीं हुआ। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह नियम नया नहीं है और इसका मकसद उन छात्राओं को रोकना है, जो महीने में कई बार झूठ बोलकर छुट्टी लेती हैं। स्टाफ सदस्य सू ने दावा किया कि कई छात्राएं हर महीने 4-5 बार पीरियड का बहाना बनाती हैं, इसलिए यह नियम लागू किया गया है।

मानवाधिकार विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया

चीन में महिला अधिकारों के विशेषज्ञ और पूर्व वकील झांग योंगकुआन ने इस नियम को छात्रा की निजता का घोर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रकरण साफ तौर पर छेड़छाड़ और महिला-सुरक्षा कानूनों का उल्लंघन है।

बहरीन की गलियों में गूंजी भारत की आवाज़, मुस्लिम देशों के सामने पाकिस्तान को किया बेनकाब

मनामा एजेंसी। मनामा में बाब अल बहरीन के प्रवेश द्वार पर स्थित दो दुकानों 'कोहिनूर और 'एवरशाइन के कर्मचारी उस समय आश्चर्यचकित रह गए जब भारतीय सांसद 'मनामा सूक के इस ऐतिहासिक बाजार क्षेत्र में अचानक आ गए। 'कोहिनूर का मालिक एक भारतीय है जबकि 'एवरशाइन का संचालन पाकिस्तानी कर्मचारी करते हैं। पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत के रुख को दुनिया तक पहुंचाने के कूटनीतिक अभियान के तहत बहरीन में बैठकों के व्यस्त कार्यक्रम के बीच भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार शाम को इस प्रतिष्ठित क्षेत्र में पहुंचा। इस दौरान सांसदों ने कुछ लोगों से बात की और तस्वीरें भी खिंचवाईं।

'कोहिनूर के एक भारतीय कर्मचारी ने कहा, ''(ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता असदुद्दीन) ओवैसी जैसे लोगों को देखकर अच्छा लगा और मैंने एक सेल्फी ली। 'एवरशाइन के पाकिस्तानी कर्मचारी भी हैरान एवं उत्सुक दिखे। उनमें से एक कर्मचारी ने कहा, ''हम यहां

काम करने आए हैं, हम वास्तव में नहीं जानते कि हमारे देश में क्या राजनीति हो रही है। ये दोनों दुकानें आमतौर पर एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करती हैं। इस यात्रा की पृष्ठभूमि में व्यापक कूटनीतिक मिशन जारी है। भारत के कूटनीतिक प्रयासों के तहत सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों की 33 राजधानियों की यात्रा कर रहे हैं ताकि विशेष रूप से 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आतंकवाद को लेकर भारत की प्रतिक्रिया और पाकिस्तान की मंशा के बारे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अपनी बात रखी जा सके। भारत मुस्लिम जगत को यह बताना चाहता है कि यह महज दो देशों के बीच की लड़ाई नहीं है बल्कि वैश्विक आतंकवाद की बड़ी चुनौती का हिस्सा है। यही कारण है कि प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य मुस्लिम जगत के कुछ हिस्सों को प्रभावित कर रहे आईएसआईएस जैसे समूहों की 'तकफीरी विचारधारा और भारत जिस तरह के आतंकवाद का सामना कर रहा है, उसके बीच समानताएं बता रहे हैं। तकफीरी का मतलब है हिंसा को सही ठहराने के लिए किसी को धर्मच्युत या काफिर घोषित करना। ओवैसी ने कहा, ''पाकिस्तान के इन आतंकवादी संगठनों और आईएसआईएस की तकफीरी विचारधारा में कोई अंतर नहीं है। यह हमें याद रखना चाहिए। यह पूरी मानवता के लिए खतरा है और हमें इसे खत्म करना होगा...उन्होंने लोगों की हत्या को सही ठहराने के लिए धर्म का इस्तेमाल किया है और पूरी दुनिया जानती है कि इस्लाम ने आतंकवाद की निंदा की है। उन्होंने कहा, ''कुरान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या करना पूरी मानवता की हत्या के समान है, कुरान ने किसी निर्दोष 'मुसलमान की हत्या की बात नहीं की है, बल्कि यह कहा है कि किसी निर्दोष 'व्यक्ति की हत्या पूरी मानवता की हत्या के बराबर है। भारत मुस्लिम बहुल देशों को यह बात समझाने की कोशिश कर रहा है कि सिर्फ इसलिए कि पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है, उसे भारत के खिलाफ उसके कृत्यों के लिए दोषमुक्त नहीं किया सकता। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पश्चिम एशिया के देशों में प्रमुख सरकारी और राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत कर रहा है और विमर्श को आकार देने के लिए भारतीय प्रवासियों से जुड़ने का भी ठोस प्रयास कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जेल में बनाए गए आधार कार्ड

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की पहल पर बंदियों के आधार कार्ड बनाए जाने हेतु जिला जेल में विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए और कैदियों को इस नवीन व्यवस्था का लाभ दिलाया जा रहा है। विदिशा जिला जेल के अधीक्षक श्री पीड़ी श्रीवास्तव ने बताया कि आज लोक सेवा के जिला प्रबंधक के माध्यम से जेल परिसर में आधार मशीन लगाई गई थी। मौके पर 30 कैदियों के आधार कार्ड बनाने की समुचित कार्यवाही पूरी की गई है।

लंबित आवेदनो के निराकरणो पर विशेष ध्यान दें

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले के समस्त विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि विभागीय लंबित सभी आवेदनो के निराकरणो पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त होने वाले आवेदनो का समय सीमा में निराकरण कर जिला कार्यालय को भी निराकरण की जानकारियां उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। गौरतलब हो कि जिले में सीएम हाउस कार्यालय की सी और डी स्तर की मानिटरिंग के कुल 179 आवेदन लंबित है। इसी प्रकार प्रभारी मंत्री कार्यालय से प्राप्त 32 आवेदन, विदिशा सांसद कार्यालय के 48 और विधायक कार्यालयों से प्राप्त 17 आवेदन, जबकि जनसुनवाई कार्यक्रम के 1206 आवेदन लंबित हैं इन सभी आवेदनो का निराकरण विभागो के अधिकारियों को शीघ्रतिशीघ्र संपादित कराने के निर्देश प्रसारित किए गए है। डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्री संतोष बिटौलिया ने बताया कि विभागो के लंबित आवेदनों की जानकारियां उपलब्ध कराई जा चुकी है अत: निराकरण के क्षेत्र में जिला पिछडे ना इसके लिए उल्लेखित इन आवेदनों का निराकरण समयावधि में निराकरण कराएं।

रेत के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए गोंदागांव में बने अस्थाई मार्ग को तोड़ा गया

हरदा (निप्र)। हरदा जिले में कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन के राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में रविवार को गोंदागांव में गंजाल नदी पर बने अस्थाई रास्ते को जेसीबी के माध्यम से तोड़ने की कार्यवाही की गई। जिला खनिज अधिकारी श्री आर पी कमलेश ने बताया कि रविवार को पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग के दल द्वारा गोंदागांव में गंजाल नदी तट पर निरीक्षण के दौरान एक अस्थाई कच्चा मार्ग पाया गया जो कि रेत के परिवहन में प्रयुक्त हो रहा था। उन्होंने बताया कि इस मार्ग का उपयोग नर्मदापुरम जिले के रामगढ़ स्थित रेत खदान से डंपर एवं अन्य वाहनों से रेत के परिवहन में किया जा रहा था। रविवार को पुलिस, खनिज और राजस्व विभाग के दल द्वारा जेसीबी के माध्यम से इस मार्ग को तोड़ने की कार्यवाही की गई ताकि रेत के अवैध परिवहन को प्रभावी तरीके से रोका जा सके। खनिज अधिकारी श्री कमलेश ने बताया कि आगे भी इस क्षेत्र में वाहनो के आवागमन पर सतत निगरानी रखी जावेगी तथा जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई लगातार जारी रहेगी।

ड्रिप सिंचाई व मल्चिंग तकनीक से एक एकड़ में टमाटर की उन्नत खेती कर रहे कृषक हेमराज सूर्यवंशी

बैतूल (निप्र)। प्रभात पट्टन विकास खंड के ग्राम बालेरा के प्रगतिशील कृषक श्री हेमराज सूर्यवंशी ने आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए टमाटर की खेती में एक मिसाल कायम की है। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग बैतूल द्वारा संचालित एमआईडीएच योजनांतर्गत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना के तहत श्री सूर्यवंशी ने 1 एकड़ क्षेत्र में टमाटर की खेती प्रारंभ की है। खास बात यह है कि उन्होंने इस खेती में पारंपरिक विधियों के बजाय ड्रिप सिंचाई प्रणाली और मल्चिंग तकनीक का उपयोग किया है। यह तकनीकें पौधों को आवश्यकतानुसार जल उपलब्ध कराती हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली के जरिए पौधों की जड़ों में सीधे पानी पहुंचाया जाता है, जिससे जल का अपव्यय नहीं होता और मिट्टी की नमी बनी रहती है।

विकसित भारत के निर्माण में सरकार के साथ जनता की भूमिका भी महत्वपूर्ण है - केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

सीहोर (निप्र)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान विकसित भारत संकल्प पदयात्रा में शामिल होकर लाड़कुई, भादाकुई, छिंदगांवमौजी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस विकसित भारत संकल्प पदयात्रा में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान अनेक जनप्रतिनिधियों के साथ विकसित भारत का संदेश देते हुए पैदल चले। जिसमें उनके साथ अनेकों जनप्रतिनिधि, किसान, महिलाएं और बड़ी संख्या में नागरिक भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए उत्साह के साथ शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पीएम आवास सहित विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों, किसानों, लखपति दीदियों एवं अनेक हितग्राहियों से चर्चा और उन्हें विकसित भारत बनाने का संकल्प दिलाया। इस पदयात्रा में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान पत्नी श्रीमती साधना सिंह, पुत्र श्री कार्तिकेय चौहान एवं पुत्रवधु श्रीमती अमानत चौहान के साथ शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है कि हमारा देश विकसित भारत का रूप ले। एक ऐसा भारत जहां बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, उन्नत कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य सहित सभी संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। प्रधानमंत्री श्री मोदी का प्रयास है कि हमारा भारत जल्द से जल्द एक वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली और समृद्ध भारत के रूप में परिवर्तित हो। इसके लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ये आज का भारत है जो कहता कि हम किसी छेड़ते नही और अगर कोई हमे छेड़े तो हम उसे छोड़ते नही।

उन्होंने कहा कि जब हमारे भारत का प्रत्येक गांव विकसित होगा तो हमारा भारत भी विकसित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार शहरों को विकसित करने के साथ ही गांवों को भी विकसित कर रही है, क्योंकि गांवों को विकसित किए बिना विकसित भारत का सपना पूर्ण नही हो सकता।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के सपने का आशय एक ऐसे भारत से है जहां प्रत्येक व्यक्ति के पास अच्छा रोजगार हो, अच्छी आमदनी हो, महिलाएं सामाजिक आर्थिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त हों। उन्होंने कहा कि एक विकसित भारत के निर्माण के लिए सरकार के साथ-साथ जनता का सहयोग बहुत आवश्यक है। इस देश की जनता के सहयोग के बिना विकसित भारत के सपने को साकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगर देश का प्रत्येक व्यक्ति अपने क्षेत्र को विकसित बनाने में योगदान दे तो आसानी से हम अपने देश को विकसित बना सकते हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम अपने क्षेत्र को स्वच्छ बनाए, जल का संरक्षण करें और देश के विकास में योगदान दें।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने लाड़कुई में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जनप्रतिनिधि,

नागरिक, प्रशासन सहित हम सभी विकसित भारत के निर्माण के साथी हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमें हमें हमारे भारत को विकसित भारत बनाना है तो हमें सबसे पहले अपने गांव, अपने क्षेत्र और अपने जिले को विकसित बनाना होगा। हम सभी को संकल्प लेना होगा कि हम अपने गांव, क्षेत्र और शहर को स्वच्छ रखेंगे और जल का संरक्षण करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने किसानों, स्व सहायता समूह की दीदियों, लखपति दीदियों, पीएम विश्वकर्मा योजना, आवास योजना, मुद्रा योजना के हितग्राहियों से चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने सभी हितग्राहियों से कहा कि विभिन्न योजनाओं के लाभ से जो पात्र हितग्राही अभी तक लाभान्वित नही हुए हैं, उन्हें उन सभी योजनाओं का लाभ मिलेगा जिनके लिए वे पात्र हैं। जिन हितग्राहियों को अभी तक पीएम आवास योजना का लाभ नही मिला था, उनका सर्वे किया जा रहा है और पात्रतानुसार उन्हें भी इस योजना का लाभ दिया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने सभी नागरिको को भारत माता की जय के नारे के साथ लाड़कुई को विकसित बनाने का संकल्प दिलाया। इस पदयात्रा में विधायक श्री रमाकांत भार्गव, सीहोर विधायक श्री सुदेश राय, आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर, अनुसूचित जाति वित्त निगम की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला बारेला, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सिंह राजपूत, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, श्री रघुनाथ भाटी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री रवि मालवीय, श्री जसपाल अरोरा, कलेक्टर श्री बालागुरू के., एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने विकसित भारत संकल्प पदयात्रा के दौरान अनुसूचित जनजाति समुदाय के नागरिकों से चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने किसानों, युवाओं, महिलाओं से विभिन्न योजनाओं जैसे पीएम सोलर योजना, स्वरोजगार योजना, आवास योजना सहित अनेक योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की और उनकी समस्याओं को सुना, इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनुसूचित जनजाति के सभी नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सुलभ और आसान प्रक्रिया निर्धारित की जाए। ताकि सभी को आसानी से योजनाओं का लाभ ले सकें। इस अवसर पर उन्होंने कक्षा दसवीं एवं कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली जनजातीय समुदाय की बेटियों को सम्मानित भी किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने विकसित भारत संकल्प पदयात्रा के दौरान ग्राम भादाकुई में आयोजित किसान संगोष्ठी में शामिल होकर किसानों चर्चा की। चर्चा के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों से फसलों के उत्पादन, खेती की तकनीकी, खेती में आने वाली कठिनाइयों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में किसानों को मिलने वाले लाभ के बारे में भी किसानों से विस्तार से जानकारी ली और उनका अनुभव जाना। उन्होंने जैविक कृषि करने वाले एवं बेहतर उत्पादन करने वाले किसानों से बातचीत भी की। इस अवसर कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को खेती के संबंध में अनेकों सुझाव भी दिए गए और किसानों द्वारा बताई जाने वाली विभिन्न समस्याओं के निराकरण के उपाय भी बताए। वैज्ञानिकों ने किसानों को सुझाव दिए कि किस प्रकार खेती में तकनीकों का उपयोग करके वे खेती को लाभप्रद बना सकते हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने विकसित भारत संकल्प पदयात्रा के दौरान ग्राम भादाकुई में आयोजित महिला सशक्तिकरण संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए और बहनों एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा की।

आम की बागवानी से सफलता की मिसाल बने बैतूल के किसान रूमी वर्मा

बैतूल (निप्र)। जिले के सुहागपुर ग्राम के कृषक श्री रोमी वर्मा ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि मेहनत के साथ सही तकनीक और सरकारी योजनाओं का सहयोग मिल जाए तो खेती भी एक फायदे का व्यवसाय बन सकती है। करीब 15 वर्ष पूर्व उन्होंने अपनी 3 एकड़ कृषि भूमि में आम का बगीचा लगाने का निर्णय लिया, जो अब उन्हें 8 से 10 लाख रुपए तक की वार्षिक आमदनी दे रहा है।

शुरुआत में उन्होंने हॉर्टिकल्चर विभाग से संपर्क किया और अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। विभाग ने उन्हें बागवानी के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता और अनुदान भी उपलब्ध कराया। श्री वर्मा ने बताया कि उन्होंने अपने बगीचे में गाजरा, हपूस, केसर, चौसा, लंगड़ा और आम्रपाली सहित कई किस्मों के आम के पौधे लगाए हैं। अब उनके बगीचे में प्रतिवर्ष अच्छा उत्पादन हो रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ मिल रहा है। आम के साथ ही श्री वर्मा ने इंटरक्रॉपिंग की आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए बगीचे के बीच में हल्दी और गन्ने की फसलें भी लगाई हैं। इससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होती है और भूमि का अधिकतम उपयोग भी सुनिश्चित होता है। कृषक श्री वर्मा ने बताया कि शुरुआती वर्षों में मेहनत अधिक करनी पड़ी, लेकिन जैसे-जैसे पेड़ बड़े होते गए, उत्पादन बढ़ता गया। आज वे स्वयं के साथ-साथ आसपास के अन्य किसानों को भी प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

उद्यानिकी विभाग द्वारा आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान से उद्यानिकी कार्यशाला में अवगत हुए

विदिशा (निप्र)। उद्यानिकी विभाग के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें जल गंगा संवर्धन अभियान की निहित बिंदुओं पर गहन प्रकाश डाला गया और जल संचय के प्रबंधों का अधिकार से निर्माण कराने पर सहमति जताई गई है। प्रशिक्षण केन्द्र पीएनबी में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य व कृषि समिति के सभापति श्री धनराज दांगी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन को अतिमहत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि खेती किसानी में भी जल का अधिक से अधिक सदोपयोगकर हम जलस्तर को गिरने से बचा सकते हैं।

उन्होंने शासन के महत्व पूर्ण जल गंगा संवर्धन अभियान को रेखांकित करते हुए कहा कि जल की उपलब्धता ही मानव विकास का घोतक है अतः हम सबका खासकर किसान भाइयों का यह नैतिक दायित्व है कि शासन द्वारा संचालित इस अभियान का अधिकार से अधिक हर स्तर पर जल संचय के प्रबंध सुनिश्चित करें।

उद्यानिकी विभाग के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उपसंचालक श्री के एस खपेड़िया ,कृषि महाविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार गर्ग एवं उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक उद्यान श्री जी.गिरवाल ने संबोधित किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पानी की बचत कैसे की जाए इसके लिए सूक्ष्म सिंचाई में ड्रिप व स्प्रिंकलर का प्रयोग कर किसान भाई कम पानी से भी अधिक क्षेत्र में सिंचाई कर सकते हैं।राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ विभाग के माध्यम से ले कर उद्यानिकी फसलों की और अपना रुझान बढ़ाए और कम भूमि से अधिक आय प्राप्त करे। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक श्री जी गिरवाल ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी कृषक को दी गई। और सूक्ष्म सिंचाई में पर ड्रॉप मोर क्रॉप का प्रयोग कर कैसे पानी की बचत करे ! सूक्ष्म सिंचाई के प्रयोग करने से 60 -70 प्रतिशत पानी की बचत की जा सकती है साथ ही उत्पादन में वृद्धि होती है ड्रिप सिंचाई के द्वारा एक साथ घुलनशील पोषक तत्वों को सीधे पौधों की जड़ों तक पहुंचाया जाता है,समय व श्रम की बचत होती है और खरपतवार की समस्या भी कम होती। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर विनोद कुमार गर्ग ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीटों व बीमारियों को कैसे नियंत्रण करें इनके बारे में किसानों को जानकारी दी गई । और किसानों को जैविक खेती के बारे में विस्तृत से जानकारी प्रदान की गई उपसंचालक कृषि श्री के एस खपेड़िया ने परंपरागत कृषि फसलों के साथ साथ उद्यानिकी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया कृषि और उद्यानिकी फसलो को उन्नत तकनीकी से करने की सलाह दी गई !और इस कार्यक्रम में उद्यानिकी विभाग का समस्त फील्ड स्टाफ भी उपस्थित रहा।

शुद्ध कच्ची घानी तेल का व्यवसाय कर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही गायत्री साहू

बैतूल (निप्र)। प्रदेश सरकार लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मनाने जा रही है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन द्वारा कई महत्वाकांक्षी योजनाएं जिले सहित प्रदेश में चलाई जा रही है। इस योजना का लाभ लेकर महिलाएं आत्मनिर्भर बन मजबूत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान सुनिश्चित कर रही है। ऐसी ही कहानी बैतूल के विनोबा नगर निवासी श्रीमती गायत्री साहू की है जो आज क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन चुकी हैं। उन्होंने न केवल पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय को सहेजा, बल्कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के माध्यम से उसे एक नई दिशा देकर स्वरोजगार की नई मिसाल पेश की।

श्रीमती गायत्री साहू ने बताया कि वे अपने पैतृक व्यवसाय कच्ची घानी के तेल के व्यापार से जुड़ी हुई हैं, जो उनके सास-ससुर द्वारा प्रारंभ किया गया था। पहले वे बाजार से दूसरों की घानी से निकला हुआ तेल मंगवाकर उसे बेचती थीं, जिसमें परिवहन सहित अन्य खर्चों का भार अधिक होता था। आय भी सीमित होती थी। इसी दौरान उन्हें प्रधानमंत्री की पीएमएफएमई योजना के बारे में जानकारी मिली। योजना की विस्तृत जानकारी लेने के बाद उन्होंने उद्यानिकी विभाग से संपर्क किया, जहां से अधिकारियों ने उन्हें योजना की प्रक्रिया समझाई और आवेदन में मदद की। योजना के अंतर्गत उन्हें आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस सहायता से उन्होंने खुद की कच्ची घानी मशीन लगाकर शुद्ध तेल का उत्पादन प्रारंभ किया। अब वे न केवल अपने व्यवसाय से अधिक मुनाफा कमा रही हैं, बल्कि ट्रांसपोर्टिंग, भंडारण और अन्य माध्यमिक खर्चों से भी बचाव हो रहा है।

गायत्री साहू ने अन्य महिलाओं से भी आग्रह किया कि वे अपने-अपने गांव और शहर में इस योजना के माध्यम से स्वरोजगार प्रारंभ करें और आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने कहा कि महिलाएं चाहे तो किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं जरूरत है तो केवल जानकारी , योजना और आत्मविश्वास की। श्रीमती साहू ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

दूध डेयरी और उचित मूल्य की दुकान संचालित कर सुनीता बनी ''लखपति दीदी''

हरदा (निप्र)। खिरकिया विकासखण्ड के ग्राम पीपल्या भारत निवासी सुनीता राजपूत की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वह भी कुछ करना चाहती थी पर जानकारी के अभाव में कुछ नहीं कर पा रही थी। वर्ष 2017 में एक दिन गांव की महिलाओं ने सुनीता को बताया कि महिलाओं के स्वसहायता समूह गठित करके वह घर पर ही छोटे मोटे व्यवसाय शुरू करने जैसे कुछ गतिविधियां कर सकती है और उसके लिये सरकार से आर्थिक मदद भी मिल जाएगी।

बस फिर क्या था, सुनीता ने अपने आसपास की कुछ महिलाओं को जोड़कर 'खुशी आजीविका स्वसहायता समूह' बना लिया और इन महिलाओं ने मिलकर दूध डेयरी का व्यवसाय शुरू किया। डेयरी व्यवसाय के लिये सुनीता को 6 लाख रूपये की मदद भी बैंक से मिल गई, जिससे हर महिने 15-20 हजार रूपये की कमाई होने लगी। इतना सब करके सुनीता को अब हिम्मत आ गई। एक दिन सुनीता को मालूम चला कि गांव की उचित मूल्य की दुकान संचालन का कार्य भी सरकार स्वसहायता समूहों को दे रही है तो उसने भी पंचायत सचिव से जानकारी ली।

कुछ ही दिनों में सुनीता के स्वसहायता समूह को उचित मूल्य की दुकान संचालन की जिम्मेदारी भी मिल गई, जिससे अब सुनीता की आय बढ़कर दुगुनी हो गई। अब सुनीता हर साल 2-3 लाख रूपये आसानी से कमा लेती है। सुनीता बताती है कि गांव की महिलाएं अब उसे ''लखपति दीदी'' कहने लगी है। आय बढ़ने से सुनीता का परिवार बहुत खुश है।

सीहोर जिले की बेटी कावेरी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया देश का नाम रोशन

कावेरी ने एशियन चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल सहित नेशनल चैंपियनशिप में जीते हैं 50 से अधिक मेडल

पिता का कर्ज चुकाने के लिए नर्मदा में मछली पकड़ती थी बेटी कावेरी

अब इंडियन नेवी में ऑफिसर बन देश की सेवा कर रही है कावेरी

सीहोर (निप्र)। जीवन में कुछ करने का जज्बा हो और मन में दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो विपरीत परिस्थितियां भी आगे बढ़ने और मंजिल तक पहुंचने से नहीं रोक पाती। सीहोर जिले की भैरूंदा तहसील के एक छोटे से गांव मंडी की बेटी कावेरी ढ़ीमर एक ऐसी सफल बेटी है जिसने कठिन परिस्थितियों में हार नहीं मानी और खेल के क्षेत्र में न केवल अपना बल्कि प्रदेश और देश का नाम पूरी विश्व में रोशन किया है। कावेरी ने अपनी मेहनत और कठिन संघर्ष से अपना नाम खेल के क्षेत्र में सुनहरे अक्षरों में अंकित करा दिया है। इतने कठिन संघर्ष और सफलता की कहानी शायद ही कभी किसी ने सुनी होगी। बेटी कावेरी ने कैनोइंग गेम्स में नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर 50 से ज्यादा मेडल जीते और देश का नाम रोशन किया। कावेरी ने एशियन चैंपियनशिप में 01 ब्रांज मेडल जीता है, इसके साथ ही नेशनल चैंपियनशिप में 45 गोल्ड, 06 सिल्वर और 03 ब्रांज मेडल अपने नाम किए हैं। मध्यप्रदेश की बेटी कावेरी जो कभी अपने पिता का कर्ज चुकाने के लिए नर्मदा में मछली पकड़ा करती थी, इसी कठिन संघर्ष के साथ उस बेटी ने इंडियन नेवी तक का सफर तय कर लिया है। वर्तमान में बेटी कावेरी इंडियन नेवी में एजीपीओ (पीटी) ऑफिसर के पद पर कार्य कर देश की सेवा कर रही हैं।

कावेरी के परिवार में 11 सदस्य है, जिसमें माता-पिता सहित 07 बहनें एवं 02 भाई शामिल हैं। कावेरी के पिता नर्मदा में मछली पकड़कर अपने परिवार का पालन पोषण करते थे। कमजोर आर्थिक स्थिती और आमदनी कम होने के कारण जब परिवार का गुजारा चलाना कठिन हुआ तो पिता ने कर्ज ले लिया। इस कर्ज को चुकाने में बेटी कावेरी अपने पिता का सहारा बनी। पानी में नाव चलाते हुए बेटी कावेरी को जब एक स्पोर्ट्स ऑफिसर ने देख तो उन्होंने कावेरी को कैनोइंग गेम्स में ट्रेनिंग के लिए प्रेरित किया। स्पोर्ट्स ऑफिसर ने कावेरी को कैनोइंग गेम्स में ट्रेनिंग के लिए वाटर स्पोर्ट अकादमी भोपाल पहुंचा दिया। इसके पश्चात बेटी कावेरी ने अपने इस हुनर को अपना जुनून बना लिया। बेटी कावेरी ने एक के बाद एक कैनोइंग गेम्स में नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर 50 से ज्यादा मेडल जीते और देश का नाम रोशन किया। कावेरी ने एशियन चैंपियनशिप में 01 ब्रांज मेडल जीता और नेशनल चैंपियनशिप में 45 गोल्ड, 06 सिल्वर और 03 ब्रांज मेडल अपने नाम किए। इस उपलब्धि के लिए उस समय के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बेटी कावेरी को 11 लाख रूपये का इनाम भी दिया था।

बेटी कावेरी का पिछले साल स्पोर्ट्स कोटे में इंडियन नेवी में सिलेक्शन हो गया। नेवी में सिलक्ट होने के बाद जब बेटी कावेरी अपने गांव पहुंची तो परिवार एवं ग्रामवासियों ने अपनी इस बेटी का धूमधाम से स्वागत किया। नांव से इंडियन नेवी तक के इस सफर में बेटी कावेरी को कई संघर्षों का सामना करना पड़ा। इतने संघर्षों एवं विपरीत परिस्थियों के बाद भी बेटी कावेरी की हिम्मत नही टूटी बल्कि वह अपने बुलंद हौसलों के साथ आगे बढ़ती रही। इसी बुलंद हौसले और मेहनत का नतीजा यह रहा कि जो बेटी कावेरी कभी पिता के कर्ज के 40 हजार रूपये चुकाने के लिए नाव चलाकर मछलियां पकड़ती थी, वो अब भारतीय जल सेना में आफिसर बनकर देश की सेवा कर रही है। अपनी बेटी की इस सफलता को लेकर कावेरी के माता-पिता बहुत खुश है। कावेरी के पिता कहते हैं कि बेटी कावेरी ने जिस संघर्ष के साथ यह सफलता पाई है, यह हमने सपने मे भी नही सोचा था, वास्तव में बेटी हो तो कावेरी जैसी।

वास्तव में संघर्षों का सामना कर बेटी कावेरी ने जो सफलता पाई है, वह हर बेटी और हर परिवार के लिए एक मिसाल है। बेटी कावेरी के जीवन की कहानी सिर्फ एक सफलता की कहानी नहीं, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण का जीता-जागता उदाहरण है। आर्थिक तंगी, सामाजिक चुनौतियां और सीमित संसाधनों के बावजूद कावेरी ने हार नहीं मानी। कावेरी की सफलता यह दर्शाती है कि जहाँ हिम्मत होती है वहाँ रास्ते खुद बन जाते हैं, बेटियाँ कमजोर नहीं होतीं बस उन्हें मौका चाहिए। बेटी कावेरी की सफलता इस बात का जीता जागता उदाहरण है।

संपादकीय

मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट में समस्या

लोकल सर्किल्स के सर्वेक्षण से पता चला है कि 89 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ताओं को कॉल कनेक्ट होने में समस्या हो रही है। इनमें से 40 प्रतिशत ने अक्सर ऐसी स्थिति का सामना करने की बात की। देश के 342 जिलों के रहवासियों से सव्रेक्षण में छप्पन हजार से अधिक प्रतिक्रियाएं ली गई। कॉल करने में दिक्कत के अलावा अचानक फोन कटने की भी शिकायतें आम हैं। जिससे उपभोक्ताओं को बार-बार डेटा/वाई-फाई कॉल यानी व्हाट्सएप, फेसटाइम या स्काइप करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। डाटा फॉर इंडिया के मुताबिक बीते साल ही भारत में हर सौ लोगों पर 81 मोबाइल कनेक्शन हो चुके हैं। हालांकि इसमें कई लोगों के पास दो से ज्यादा कनेक्शन भी हो सकते हैं। फिर भी अंदाजन इस वक्त 84त्न से अधिक भारतीयों के पास मोबाइल कनेक्शन है, जिसमें स्मार्ट फोन उपभोक्ताओं की संख्या 2026 में सौ करोड़ पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। इंटरनेट के प्रयोग और रोजमर्रा में फोन की आवश्यकता ने नौजवानों को मोबाइल कनेक्शन के प्रति बेहद आकृष्ट किया है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया के शीर्ष दस दस विकसित देशों की तीन चौथाई आबादी के हाथ में स्मार्टफोन है। बावजूद इसके कंपनियां उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने में बुरी तरह नाकाम हैं। इसके लिए सरकार का लापरवाह रवैया भी कम दोषी नहीं कहा जा सकता। उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम होने के बावजूद कंपनियों द्वारा लगातार उनकी उपेक्षा की जाती है। फोन कनेक्शन बढ़ने से उत्साहित टेलीकंपनियों को अपनी सेवाओं को लेकर सतर्क और जवाबदेह बनना होगा। किसी भी व्यावसायिक प्रतिष्ठान के उत्तरदायित्वों के निर्वहन में होने वाली कोताही के प्रति सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए।यदि फोन कंपनियों का इन्फ्रास्ट्रक्चर यह भार सहन करने में सक्षम नहीं है तो वे नये कनेक्शन तब तक देने में हाथ सिकोड़ सकती हैं। जब तक उनका सिस्टम सटीक नहीं हो जाता। जब तारों द्वारा जोड़े जाने वाले लैंड लाइन होते थे, तब लाइन्स सीमित होने के कारण व्यस्त समय में उपभोक्ताओं को सभी लाइनें व्यस्त हैं, जैसी सूचना देने की सुविधाएं थीं। अब तमाम तकनीकी सुविधाओं और मोटी रकम चुकाने वाले उपभोक्ता को फोन कंपनियों की यह जानबूझकर की जा रही लापरवाही क्यों बर्दाश्त करनी पड़ रही है। सरकार और दूरसंचार मंत्रालय को इस पर कड़े कदम उठाने होंगे।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में गहराई और अपनापन आपको महसूस होगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने काम के प्रति एकाग्र चित्त होना आपको सफलता देगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज खर्चो की अधिकता रहेगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज ऑनलाइन शॉपिंग और मस्ती वाली गतिविधियों में समय बीतेगा।

सिंह राशि: आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह-मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में अभी और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जाएगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनाएंगे।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका काम अच्छा चलेगा।

हिन्दुस्तानी छात्रों से अमेरिका को अरबों की कमाई

अमेरिका में 11 लाख से ज्यादा विदेशी छात्र पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। इसमें लगभग 60 फीसदी भारतीय छात्र होते हैं। इन छात्रों द्वारा लाखों रुपए की फीस अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को दी जाती है। विदेशी छात्रों की फीस से अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लाखों करोड़ों रुपए प्रतिवष की कमाई होती है। डोनाल्ड ट्रंप जब से अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने विदेशियों के बारे में जो राय बनाई है। उसके कारण अमेरिका का शैक्षणिक जगत समाप्त होने की कगार पर पहुंच रहा है। अमेरिका के शिक्षण संस्थानों के ऊपर डोनाल्ड ट्रंप की टेडी नजर है। ट्रम्प के कारण अमेरिका को आगे चलकर बहुत बड़ा नुकसान होने वाला है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का सारी दुनिया में नाम है। यहां पर एडमिशन लेने के लिए दुनिया के सभी देशों से बच्चे यहां आकर पढ़ना चाहते हैं। ट्रंप प्रशासन ने विदेशी छात्रों के प्रवेश पर रोक लगा दी। हालांकि अमेरिका के न्यायालय ने ट्रंप के आदेश को रद्द कर दिया है, लेकिन यह खतरा अभी टला नहीं है। ट्रंप सरकार का रवैया विदेशियों के लिए बहुत आक्रामक और अपमानजनक है। ट्रंप के रूख और फैसलों को देखते हुए, अब सारी दुनिया के देशों से अमेरिका में पढ़ने के लिए जो छात्र आते थे। उनकी संख्या में इस साल भारी गिरावट आई है। हाल ही में ट्रंप प्रशासन द्वारा विदेशी छात्रों के साथ जिस तरह की प्रताड़ना की जा रही है। छात्रों को अनाप-शनाप आरोपों में अमेरिका से निष्कासित किया जा रहा है। उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया भारत सहित दुनिया के देशों में हुई है। ट्रंप सरकार का कहना है, अमेरिकी के विश्वविद्यालयों में यहूदी विरोधी नीतियां चलाई जा रही हैं। ट्रंप प्रशासन की इस कार्रवाई को अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। अमेरिका में यह आजादी अब खत्म होती दिखने लगी है। अमेरिका में सबसे ज्यादा छात्र भारत से पढ़ने के लिए जाते हैं। अमेरिका की जितनी भी यूनिवर्सिटी हैं, वह भारतीय विदेशी छात्रों के बल पर चल रही हैं। कई विश्वविद्यालय में 24 फ़ीसदी से लेकर 51 फीसदी तक विदेशी छात्र महंगी फीस देकर पढ़ रहे है। यह विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे हैं। अमेरिकी छात्रों की तुलना में विदेशी छात्रों से ज्यादा फीस वसूल की जाती है। पिछले 4 महीने में ट्रंप प्रशासन द्वारा जिस तरह से शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाया गया है। विदेशी छात्रों पर प्रताड़ना की कार्रवाई की जा रही है। उसको लेकर अमेरिका की साख दुनिया भर के देशों में अमेरिका के इतिहास में सबसे ज्यादा खराब हुई है। यदि यही हाल रहा तो अमेरिका के विश्वविद्यालय आर्थिक संकट के कारण स्वयं बंद हो जाएंगे। अमेरिकी सरकार ने विश्वविद्यालयों को मिलने वाले अनुदान में कटौती की है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय का तो पूरा अनुदान ही बंद कर दिया है। अमेरिका के सारे विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों के बल पर चल रहे थे। यदि विदेशी छात्र नहीं आएंगे, तो अमेरिका के शिक्षण संस्थान बंद होंगे। इसके साथ-साथ अमेरिका के शिक्षण संस्थानों को लगभग 3.65 लाख करोड रुपए जो फीस के रूप में एकत्रित होते थे। इससे दो गुना ज्यादा राशि विदेशी छात्रों द्वारा अमेरिका में खर्च की जाती थी, अमेरिका को बड़ा आर्थिक नुकसान होना तय माना जा रहा है। अमेरिका इस समय सबसे बड़े कर्ज के दबाव से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ही हाथों से अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हुए नजर आ रहे हैं।

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

- सोनम लववंशी

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक 'अंक-उद्योग' में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही 'अंकवीर' छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं।

यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है। यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक 'रैंक मशीन' बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है। यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वास्तव में यही शिक्षा है? इस समस्या का समाधान केवल परीक्षा प्रणाली बदल देने से नहीं होगा। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक शिक्षा का यह विकृत रूप बना रहेगा। जब तक अभिभावक अंक को ही सफलता की कसौटी मानते रहेंगे, स्कूलों और शिक्षकों की प्राथमिकता भी वहीं रहेगी। ज़रूरत है एक नई शैक्षणिक संस्कृति की जहां असफलता को अवसर माना जाए, बच्चों की विविधता को अपनाया जाए और उन्हें आत्मविश्लेषण और आत्म-अनुशासन के मार्ग पर प्रेरित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें की हैं, परंतु इन्हें जमीन पर लागू करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है।

अहिल्यादेवी होल्कर का शासनकाल दुनिया के लिये मिसाल

नरेंद्र तिवारी, सेंधवा

मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक इंदौर के होल्कर राजवंश के महल राजवाडा मे 20 मई को आयोजित हुई। राजवाड़ा मे बैठक के पीछे सरकार का संदेश लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती को यादगार एवं चिरस्थाई बनाना रहा है। प्रजातंत्रिक ढंग से चुनी गयी मोहन यादव सरकार ने एमपी की राजधानी भोपाल मे बने विधानसभा भवन की बजाय इंदौर के राजवाड़ा मे सरकार की एक दिवसीय बैठक का राजशाही अंदाज मे आयोजन किया। इस हेतू इंदौर के राजवाड़ा मे मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की बैठक उसी प्रकार सजाई गयी जैसे राजवाड़ा पर राजा महाराजा के समय हुआ करती थी।

असल मे इस बैठक के पीछे लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर को याद करना था। उनके लोकहितार्थ किये कार्यो को याद करना था। परम शिवभक्त अहिल्याबाई होल्कर का सम्पूर्ण जीवन सादगी, गरिमा और संघर्ष की मिशाल रहा है। उनका शासनकाल जनहित और लोकमंगल का प्रमाण है। उन्होंने अपने राज्य मालवा मे उत्कृष्ट कार्य किये अपनी सीमा से बाहर भी जनहित के कार्य किये। उनका शासन मालवा राज्य का स्वर्णिम काल रहा है।

अहिल्या बाई एक साधारण परिवार मे जन्मी असाधारण महिला थी। अपने लोकमंगल के कार्यो से समाज ने उन्हें देवी अहिल्या का दर्जा दिया। अहिल्या बाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौँडी ग्राम मे हुआ था। उनके पिता का नाम मानको जी शिंदे था। वे खेतीबाडी करते थे,अहिल्या बाई अपने पिता की एकमात्र संतान होने से परिवार मे उनके प्रति अपार स्नेह था। अहिल्या बचपन से ही शिव की परम भक्त थी, ईश्वर पर उनका अटूट विश्वास था। ईश्वर पर उनका विश्वास जीवनपर्यन्त कायम रहा। उनका विवाह मालवा के शासक मल्हारराव होल्कर के पुत्र खाण्डेराव होल्कर से हुआ। उन्होंने अपनी सरलता से ससुराल वालों का दिल जीत लिया। सब उन्हें बहुत स्नेह करते थे, उनकी दो संताने हुई। पुत्र का नाम मालेराव एवं पुत्री का नाम मुक्ताबाई था। उनके जीवन मे परिवार का सुख अधिक नहीं रहा। भरतपुर युद्ध मे खाण्डेराव वीरगति को प्राप्त हो गए। अहिल्याबाई युवा अवस्था मे ही विधवा हो गयी, उन्होंने रंगीन वस्त्र त्याग दिए सफ़ेद वस्त्र धारण करने का निर्णय लिया। ससुर मल्हारराव, पुत्र मालेराव एवं पुत्री मुक्तबाई भी असमय काल कलवित हो गए अहिल्या बाई ने इस विपरीत समय मे विचलित होने के बजाय, धैर्य और संयम से अपने आप को संभाला मालवा राज्य की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। अहिल्या बाई ने एक शासक रहते हुए अनेकों परोपकारी कार्य किये अपने राज्य के आलावा अन्य राज्यों मे उनके किये कार्य अब भी दिखाई देते है। उन्होंने तीर्थ क्षेत्रों मे घाट, कुएँ, बावड़ियों, धर्मशालाओं, आश्रमों, अन्न क्षेत्रों, एवं प्याऊ का निर्माण कराया। इनमे वाराणसी, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, गया, द्वारिका, सोमनाथ, बद्रीनारायण, रामेश्वरम आदि सम्मिलित है। उन्होंने नदियों पर बने घाटों पर महिलाओं के स्नान की पृथक व्यवस्था कराई जिससे महिलाए सुरक्षित वातावरण मे स्नान कर सके। तीज त्योहारों, उत्सवों पर वें मन्दिरों को दान देती थी। छोटे से ग्राम इंदौर को एक विकसित नगर बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक महिला होने के नाते उनका तत्कालीन समय मे महिलाओं की स्थिति को लेकर विशेष ध्यान था, महिला शिक्षा को लेकर उन्हें चिंता थी। उनका मानना था की शिक्षित महिला परिवार और देश को आगे बढ़ाने मे मददगार शाबित होती है। महिला शिक्षा हेतू उन्होंने व्यापक प्रबंध किये। महिलाओं की स्थिति को लेकर उनकी चिंताओं के कारण ही विधवा महिलाओं के निसंतान रहने पर उसके पति की सम्पति राजकोष मे जमा करने के क़ानून मे संशोधन करते हुए विधवा महिलाओं को पति की सम्पति मे अधिकार देने वाला क़ानून बनाया। उन्होंने किसानों के लगान को कम किया, किसानों को मजबूत और खेती को उन्नत करने के लिये काम किया। उद्योगो से रोजगार मिलता है, राज्य समृद्ध और उन्नतिशील होता है। यह सोच उनके जहन में थी। उन्होंने नर्मदा तट पर स्थित महेश्वर को राजधानी बनाया और इसे धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र के रूप मे विकसित किया। यहां उन्होंने अहिल्या किला, नर्मदा घाट, अहिलेश्वर मंदिर, न्याय सभा, और पाटेश्वर तीर्थ का निर्माण कराया। महेश्वर मे वस्त्र उद्योग की स्थापना उनकी व्यवसायिक दूरदृष्टि का उदाहरण है, एक समय यह उद्योग विश्व प्रसिद्ध था, जो बुनकरों की जीविका का महत्वपूर्ण साधन माना जाता था।

परम शिव भक्त अहिल्या देवी होल्कर ने अपनी राजकीय मुद्रा मे भगवान शिव, शिव वाहन नंदी, बैल पत्र के प्रतिको को अंकित कराया। उनके शासनकाल में राजाज्ञाओं पर श्री शंकर आज्ञा लिखा रहता था। उनका यह स्पष्ट मत था की सत्ता मेरी नहीं है, सम्पत्ति भी मेरी नहीं है, जो कुछ है भगवान का है। समाज भगवान का प्रतिनिधि है और सारी सम्पदा समाज की है।

पुलिस पर हमलों की वजह है पुलिस स्टेट

राकेश अचल

मप्र के गुना जिले में एक पुलिस इंस्पेक्टर पर त्रिशूल से हक्षले की खबर हालांकि बहुत बडी नहीं है लेकिन इस हमले के पीछे की वजह बहुत बडी है. पुलिस पर बढते हमलों की पडताल से पता चलता है कि यह सब सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा सूबे को पुलिस स्टेट में बदलने का नतीजा है.

सबसे पहले आपको पुलिस स्टेट के बारे में जानना होगा क्योंकि ये बहुत प्रचलित शब्द नहीं है.दरअसल पुलिस स्टेट एक ऐसी शासन व्यवस्था को कहते हैं जिसमें सरकार अत्यधिक नियंत्रण और निगरानी के माध्यम से नागरिकों की स्वतंत्रता को सीमित करती है। इसमें पुलिस या अन्य सुरक्षा बलों को व्यापक शक्तियाँ दी जाती हैं, जो अक्सर नागरिकों के मौलिक अधिकारों, जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निजता, और गतिविधियों की स्वतंत्रता, का उल्लंघन करती हैं। पुलिस स्टेट में सरकार नागरिकों की गतिविधियों और संचार, और निजी जीवन पर कड़ी नजर रखती है, फोन टैपिंग, इंटरनेट मॉनिटरिंग, या सीसीटीवी के व्यापक उपयोग के माध्यम से स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं.अभिव्यक्ति की यानि प्रेस, और सभा की स्वतंत्रता सीमित होती है। असहमति या विरोध को दबाने के लिए सख्त कानून लागू किए जाते हैं। पुलिस को बिना उचित कारण के गिरफ्तारी, पूछताछ, या संपत्ति जब्त करने की शक्ति दी जा सकती है। पुलिस स्टेट में भय का माहौल बनता है.नागरिकों में सरकार या पुलिस के डर से आत्म-संयम बढ़ता है, जिससे लोग अपनी राय व्यक्त करने से बचते हैं। जब पुलिस ही सब कुछ हो जाती है तब न्यायिक स्वतंत्रता का अभाव नजर आने लगता है, और कानून का शासन कमजोर होता है। सरकार प्रचार के माध्यम से अपनी नीतियों को उचित ठहराती है और असहमति को देशद्रोह या खतरे के रूप में चित्रित करती है। भारत में पुलिस स्टेट बनाने की लत हाल के वर्षों में तेजी से बढी है. अतीत में नाज़ी जर्मनी, सोवियत संघ (स्टालिन के शासनकाल में), और कुछ आधुनिक अधिनायकवादी शासनों को पुलिस स्टेट के उदाहरण के रूप में देखा जाता है, जहाँ नागरिकों की स्वतंत्रता को कठोर नियंत्रण के तहत दबाया गया।भारत में संविधान नागरिकों को मौलिक अधिकार प्रदान करता है, और लोकतांत्रिक ढांचा पुलिस स्टेट की विशेषताओं से बचने की कोशिश करता है। हालांकि, कुछ परिस्थितियों में, जैसे आपातकाल (1975-1977) के दौरान, या कुछ विवादास्पद कानूनों (जैसे,क्क) के दुरुपयोग के मामलों में, पुलिस स्टेट जैसे लक्षण साफ नजर आ रहे हैं. मप्र सहित डबल इंजन की सरकारें पुलिस स्टेट बनने और बनाने की ओर अग्रसर हैं. फर्जी मुठभेडें, बुलडोजरों का बेजा इस्तेमाल, बुद्धजीवियों की गिरफ्तारी, उनके ऊपर मुकदमे लादने की ताजा घटनाओं से इस बात की पुष्टि हो रही है कि देश पुलिस स्टेट की तरफ बढ रहा है. प्रो अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी, नेहा राठौड और कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय पर मुककदमें, महाराष्ट्र में एक स्टेंडिग कमेडियन के स्टूडियो में तोडफोड और सत्ता प्रतिषपर उंगली उठाने वाले लोगों को अर्बन नक्सली कहकर उन्हे पुलिस प्रताडना का शिकार बनाना पुलिस स्टेट को बढावा देना ही है. पुलिस मजबूरी में पुलिस स्टेट बनने में सरकार का सहयोग कर रही है या पुलिस को ऐसा करने से लाभ है, ये कहना कठिन है. लेकिन एक बात तय है कि पुलिस स्टेट में पुलिस का इकबाल समाप्त हो रहा है. उसका देशभ, जनसेवा का संकल्प अकारथ जा रहा है. जनता पुलिस पर भरोसा करने के बजाय पुलिस से नफरत करने लगी है. पुलिस पर बढते हमले चिंताजनक हैं. इस मुद्दे पर मेरी अनेक पुलिस अफसरों से बात हुई. अनेक सेवानिवृत और मौजूदा आईपीएस अफसर पुलिस स्टेट की अवधारणा को अलोकतांत्रिक माधते हैं. नाम न देने के आग्रह के साथ इन अफसरों का कहना है कि सत्ता प्रतिष्ठान ने जबसे नियुक्ति और पदोन्नति प्रक्रिया का राजनीतिकरण किया है तब से हालात और बिगड गए हैं.पुलिस जनता के बजाय नेताओं की सेवा करने के लिए अभिशप्त हो चुकी है. जो लोग नेताओं की कठपुतली बनने से इंकार करते हैं उन्हें फील्ड से हटाकर बाबू बना दिया जाता है.मौजूदा समय मे इस मुद्दे पर तत्कालसमीक्षा की सख्त जरूरत है.मैने शुरू में जिस घटना का जिक्र किया उसके पीछे भी जनाक्रोश ही प्रमुख वजह है.

अंधड़, बारिश और चेतावनीः बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

-योगेश गोयल

24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूर्वानुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई।

केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निर्माणाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी।

इस साल मई महीने की शुरुआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों को अस्थिर कर रहा है। 'शहरी हीट आइलैंड' प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यत: ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है। मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है।

युवा भी होने लगे हैं अर्थराइटिस का शिकार जानें क्यों बढ़ रही है यह समस्या और कैसे करें अपना बचाव?

गठिया या अर्थराइटिस ज्यादातर 50 साल के ऊपर की उम्र वालों को होती है। लेकिन अब, कम उम्र वाले लोग भी इस बीमारी की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। 18-25 वर्ष की आयु के युवा वयस्कों को भी यह बीमारी अपनी चपेट में ले रही है। गठिया के मरीजों को घुटनों, पीठ, कलाई, गर्दन के जोड़ों और एड़ियों में दर्द रहता है। गठिया के कई प्रकार हैं, लेकिन सबसे आम रूपों में ऑस्टियोआर्थराइटिस और रुमेटीइड गठिया शामिल हैं। ऐसे में चलिए डॉक्टर से जानते हैं आखिर कम उम्र में ही लोग अर्थराइटिस क्यों बढ़ रहा है और हड्डियों को मजबूत कैसे बनाएं?

युवाओं में गठिया क्यों बढ़ रहा है?

खराब और सेडेंटरी लाइफ स्टाइल की वजह से गठिया के बढ़ते मामलों का कारण हो सकती है। कई युवा वयस्क कम से कम शारीरिक गतिविधि के साथ घंटों बैठे रहते हैं। डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग से गर्दन, पीठ और हाथ के जोड़ों पर दबाव पड़ता है। इसके अलावा, तनाव, मोटापा, लंबे समय तक स्क्रीन पर समय बिताना, नींद की कमी और अस्वास्थ्यकर आहार सूजन में योगदान करते हैं, जिससे शुरुआती गठिया का खतरा बढ़ जाता है।

बिना किसी देरी के गठिया का प्रबंधन करना समय की मांग है। याद रखें, अगर इलाज न किया जाए, तो यह पुराने दर्द, जोड़ों की तकलीफ और यहां तक कि विकलांगता का कारण बन सकता है। यह गतिशीलता को सीमित कर सकता है और जीवन की गुणवत्ता, काम और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। व्यक्ति अक्सर तनावग्रस्त, चिंतित या उदास महसूस कर सकता है क्योंकि उसके जीवन की गुणवत्ता से समझौता किया जाएगा।

जोड़ों की सुरक्षा के लिए सुझाव-

जब हमने एम्स अस्पताल में स्थित ऑर्थोपेडिक और रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. विशाल लापशिया से बात की, तो उन्होंने कहा कि किसी विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में और डॉक्टर की अनुमति के बाद ही रोजाना व्यायाम करना आवश्यक है। टहलने और स्ट्रेचिंग जैसी गतिविधियाँ आज़माएँ। अपना वजन सही रखें, संतुलित आहार लें, सही मुद्रा बनाए रखें और अधिक परिश्रम करने या कोई भारी गतिविधि करने से बचें। युवा वयस्कों को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और जोड़ों के दर्द को रोकने के लिए इन सुझावों का पालन करना चाहिए। साथ ही, अपने आप कोई हर्बल सप्लीमेंट या दवा लेने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से जोड़ों का दर्द और बढ़ सकता है।

गर्मियों में रोज ककड़ी खाने से शरीर पर क्या असर पड़ता है?

जान लें इसे कंज्यूम करने का सही तरीका

ककड़ी में विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। गर्मियों में ककड़ी का सेवन कर आप सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को पैदा होने से रोक सकते हैं। आइए सही मात्रा में और सही तरीके से ककड़ी को कंज्यूम करने के कुछ जबरदस्त स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानते हैं।

नहीं होगा डिहाइड्रेशन

रोज ककड़ी खाने की वजह से आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और आप गर्मियों में होने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बच जाएंगे। ककड़ी को हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी ककड़ी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। कुल मिलाकर ककड़ी आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए वरदान साबित हो सकती है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

ककड़ी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए ककड़ी का सेवन किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल पर काबू पाने के लिए ककड़ी को डाइट प्लान का हिस्सा बनाया जा सकता है। ककड़ी आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है।

सेवन करने का तरीका

ककड़ी को आप सलाद में शामिल कर सकते हैं। अगर आपको सलाद के तौर पर ककड़ी का सेवन करना पसंद नहीं है, तो आप ककड़ी का जूस बनाकर भी पी सकते हैं। अगर आप चाहें तो ककड़ी का रायता भी बना सकते हैं।

(डिस्क्लेमर- इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।)

इन गंभीर समस्याओं में अदरक का सेवन है बेहद लाभकारी

बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका?

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन-

एसिडिटी- खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना- हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार- अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी- अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर- अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार- अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज़्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

फायदेमंद होता है धनिए का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक धनिए के पानी में विटामिन सी, ए, के, बी6, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम, कॉपर, जिंक, सेलेनियम, मैंगनीज, सोडियम, फोलेट, थायमिन, नियासिन, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यही वजह है कि औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

आचार्य श्री बालकृष्ण के मुताबिक धनिए के पानी में पाए जाने वाले तत्व आपकी गट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। क्या आप गैस, एसिडिटी या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको धनिए के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। धनिए का पानी आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकता है।

बॉडी को डिटॉक्स करने में कारगर

धनिए का पानी पीकर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स कर अपनी किडनी और अपनी लिवर के सेहत को मजबूत बना पाएंगे। धनिए के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने में असरदार साबित हो सकते हैं। धनिए का पानी पीकर आप अपने ब्लड शुगर लेवल को भी काफी हद तक कंट्रोल कर सकते हैं यानी डायबिटीज पेशेंट्स के लिए ये ड्रिंक फायदेमंद साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से धनिए के पानी को कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

कैसे बनाएं धनिए का पानी?

धनिए का पानी बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले धनिए के बीजों को रात भर के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब आप अगली सुबह इस पानी को छानकर पी सकते हैं। इसके अलावा धनिए की पत्तियों को पानी में बॉइल करके भी कंज्यूम किया जा सकता है।

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे-

पाचन होता है बेहतर- अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत- अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर- अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद- अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी- अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण- अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद- अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मज़बूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

एचईसी इंफ्रा की बड़ी छलांगः राजस्व 47 प्रतिशत, मुनाफा दोगुना!

अहमदाबाद, एजेंसी। एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एचईसी, कंपनी), जो इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों में से एक है और विशेष रूप से अत्यधिक उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजेक्ट्स में विशेषज्ञता रखती है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, एचईसी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री गौरांग शाह ने कहा, हमारी टीम के निरंतर प्रयासों और प्रमुख परियोजनाओं की सफल कार्यान्वयन की बदौलत हम मजबूत वित्तीय प्रदर्शन की रिपोर्ट करने में सक्षम हैं। राजस्व और लाभप्रदता दोनों में हुई वृद्धि हमारी रणनीतिक दिशा और संचालन कुशलता का प्रमाण है। हम एक मजबूत ऑर्डर बुक के साथ नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं, जिससे हमें इस विकास की गति को बनाए रखने का विश्वास मिला है। यह गति और हमारा अनुशासित दृष्टिकोण हमें उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए एक मजबूत स्थिति में लाते हैं और हम अपने हितधारकों को निरंतर मूल्य प्रदान करते रहेंगे। हमारी ताकत हमारे विविध परियोजना पोर्टफोलियो में निहित है, जिसमें अत्यधिक उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन, जल उपचार एवं पंपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विद्युतीकरण और सौर ऊर्जा समाधान शामिल हैं। यह बहुआयामी क्षमता हमें सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों की जटिल इंफ्रास्ट्रक्चर आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में सक्षम बनाती है। जैसे-जैसे एकीकृत और कुशल इंफ्रास्ट्रक्चर समाधानों की मांग बढ़ रही है, हम नवाचार, गुणवत्ता और विश्वसनीयता के माध्यम से अपनी क्षमताओं को विस्तार देने और हितधारकों को मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यूनिहेल्थ ने एच2 एफवाय25 में 63 प्रतिशत नेट प्रॉफिट बढ़ोतरी की!

मुंबई। यूनिहेल्थ हॉस्पिटल्स लिमिटेड एक वैश्विक हेल्थकेयर प्रदाता, जो पूरे अफ्रीका में अस्पतालों, मेडिकल सेंटर्स, कंसल्टेंसी, फार्मा डिस्ट्रीब्यूशन और मेडिकल ट्रैवल सेवाओं का संचालन करता है, ने एच2 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिट किए गए वित्तीय परिणाम जारी किए हैं। यूनिहेल्थ हॉस्पिटल्स के संस्थापक और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. अक्षय परमार, ने कहा- एच2 एफवाय25 यूनिहेल्थ के लिए मजबूत प्रदर्शन वाला रहा, जहां समेकित राजस्व और लाभप्रदता ने हमारी गुणवत्ता युक्त और सुलभ हेल्थकेयर देने की प्रतिबद्धता को दर्शाया। नवी मुंबई में हमारा मल्टी-स्पेशियलिटी टर्शियरी केयर हॉस्पिटल तेजी से निर्माणाधीन है और जल्द ही चालू हो जाएगा। भारत में बढ़ते निवेश, बीमा कवरेज में बढ़ोतरी और मेडिकल टूरिज्म के चलते हेल्थकेयर उद्योग में बड़ा बदलाव आ रहा है। खासकर 50 से 200 बेड की क्षमता वाले अस्पतालों के लिए अवसर बढ़ रहे हैं। अफ्रीकी बाजारों में मांग को देखते हुए हम उभरते भौगोलिक क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण और किफायती सेवा देने के लिए तैयार हैं। हम भारत और पूर्वी अफ्रीका में एक सतत और विस्तार योग्य हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म तैयार करने का लक्ष्य रखते हैं। नवी मुंबई के अलावा, नासिक और पुणे में विस्तार कार्य प्रगति पर हैं, जिससे एफवाय26 में 500 से अधिक नए बेड जुड़ने की उम्मीद है। हमारी एसेट-लाइट रणनीति अगले तीन वर्षों में 1,000 नए बेड्स का लक्ष्य रखती है। हम दीर्घकालिक मूल्य निर्माण और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। संस्थापक और निदेशक डॉ. अनुराग शाह, ने कहा इस वित्तीय वर्ष की एक प्रमुख उपलब्धि युगांडा के यूएमसी विक्टोरिया हॉस्पिटल में हमारे अत्याधुनिक आइवीएफ और फर्टिलिटी सेंटर की शुरुआत रही। यह सुविधा क्षेत्र में बांझपन की चुनौतियों का सामना कर रही महिलाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी। हमने क्यान्जा, युगांडा में पहला यूएमसी क्लिनिक भी शुरू किया है, और इस वर्ष में 4-5 और क्लिनिक जोड़ने की योजना है, जिससे गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की पहुँच और भी बढ़ेगी।

गोदरेज एग्रोवेट ने लॉन्च किया नया पशु आहार उत्पाद - गोदरेज दौलत

पशु उत्पादकता और प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार करने में सहायक

दूध की उत्पादन लागत को कम रखने और किसानों की लाभप्रदता बढ़ाने में मदद करता है

इंदौर , एजेंसी। भारत के सबसे बड़े विविधीकृत कृषि व्यवसायों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने आज पशु आहार समाधान - गोदरेज दौलत के लॉन्च की घोषणा की। शहर में आज इसे आयोजित वितरकों की बैठक के दौरान लॉन्च किया गया, जो पशु उत्पादकता और प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार करने में सहायक है। इससे किसानों की लाभप्रदता बढ़ेगी। गोदरेज दौलत को विशेष रूप से दूध उत्पादन की लागत कम रखते हुए पशु उत्पादकता और प्रजनन क्षमता में सुधार करने के लिए तैयार किया गया है - जो मध्य प्रदेश के डेयरी क्षेत्र की तत्काल आवश्यकता है।

इंदौर का डेयरी उद्योग, जिसमें 60,000 से अधिक पंजीकृत दूध उत्पादक हैं और प्रतिदिन 12-12.5 लाख लीटर दूध का संग्रह होता है, मौसमी उतार-चढ़ाव और बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों का सामना करता है। उच्च गुणवत्ता वाला पशु आहार उत्पादन को बनाए रखने, पशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और गर्मी के तनाव से निपटने के लिए आवश्यक है। महाराष्ट्र में उन्नत शोध और सफलता के आधार पर गोदरेज दौलत पौष्टिक, वैज्ञानिक रूप से तैयार किया गया चारा उपलब्ध कराता है, जिससे किसानों को उत्पादकता बढ़ाने और डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग को स्थायी रूप से पूरा करने में मदद मिलती है।

गोदरेज एग्रोवेट के मुख्य कार्यकारी - एनिमल एंड एक्वा फीड बिजनेस, कैप्टन डॉ. ए.वाई. राजेंद्र ने इस लॉन्च पर अपनी टिप्पणी में कहा, उचित मिश्रित चारा चुनना दीर्घकालिक उत्पादकता और लाभप्रदता की दिशा में एक कदम है। गोदरेज दौलत मवेशियों को कम फीड इनपुट के साथ बेहतर स्वास्थ्य और प्रजनन शक्ति प्राप्त करने में मदद कर, किसानों को हर लीटर दूध से कुछ अधिक प्राप्त करने में मदद कर सकता है और साथ ही उनका परिचालन बोझ कम कर सकता है।

उन्होंने कहा, किसान उचित मिश्रित चारा चुनकर, रणनीतिक निवेश कर रहे हैं जिसका दीर्घकालिक स्तर पर लाभ मिलता है। वैज्ञानिक रूप से तैयार किए गए फीड समाधानों की हमारी विविधीकृत रेंज किसानों को पारंपरिक विकल्पों से आगे बढ़ने और बेहतर प्रदर्शन प्राप्त करने में सक्षम बनाती है।

एमराल्ड फाइनेंस का मुनाफा क्यू4 एफवाय25 में 246 प्रतिशत उछला!

मुंबई, एजेंसी। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड एक गतिशील कंपनी है जो भारत में अपने प्रमुख उत्पाद अर्न्ड वेज एक्सेस सहित वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करती है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। एमराल्ड फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री संजय अग्रवाल ने वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, एफवाय25 एमराल्ड फाइनेंस के लिए प्रगति का एक सशक्त वर्ष रहा, जिसे मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और रणनीतिक गति ने परिभाषित किया। वर्ष का समापन एक मजबूत क्यू4 के साथ हुआ, जहां ब्याज और शुल्क आधारित दोनों आय धाराओं में वृद्धि हुई, और संचालन कुशलता तथा अनुशासित लागत नियंत्रण के चलते मार्जिन में सुधार हुआ। हमने पूरे वर्ष शून्य एनपीए बनाए रखा, जो हमारी क्रेडिट अंडरराइटिंग और जोखिम प्रबंधन प्रथाओं की मजबूती को दर्शाता है। हमारे ईडब्ल्यूए (अर्न्ड वेज एक्सेस) प्लेटफॉर्म को क्यू4 में महत्वपूर्ण बढ़त मिली, जिसमें वित्तीय वर्ष के दौरान 62 कॉर्पोरेट ग्राहकों को साइन किया गया और वर्ष के अंत तक उन्हें ऑनबोर्ड किया गया। यह हमारे सैलरी एडवांस समाधान की आज के गतिशील वर्कफोर्स वातावरण में बढ़ती प्रासंगिकता को दर्शाता है। भारत में चल रहे फिनटेक परिवर्तन के बीच, जो बढ़ती क्रेडिट मांग, वित्तीय समावेशन और डिजिटल अपनाने से प्रेरित है, हम एक मजबूत स्थिति में हैं। हमारी रणनीति खुदरा और एमएसएमई ऋण, डिजिटल नवाचार और मजबूत साझेदारी पर केंद्रित है। हमारा लक्ष्य ईडब्ल्यूए प्लेटफॉर्म को स्केल करना, एसएमई और इनवॉइस डिस्काउंटिंग सेवाओं का विस्तार करना और 200+ शहरों में अपनी उपस्थिति बढ़ाना है। मार्च 2026 तक 250 कॉर्पोरेट भागीदारों को जोड़ने का लक्ष्य रखते हुए हम डिजिटल-फर्स्ट दृष्टिकोण अपना रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के नौवें संस्करण के लिए 'Innovate to Transform' थीम का अनावरण किया

नई दिल्ली, केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई दिल्ली के यशोभूमि कनवेंशन सेंटर में 8 से 11 अक्टूबर, 2025 तक होने जा रहे इंडिया मोबाइल कांग्रेस, 2025 के नौवें संस्करण के लिए थीम के तौर पर ÒInnovate to TransformÓ का अनावरण किया। इस वर्ष का संस्करण गठबंधन को बढ़ावा देकर, अत्याधुनिक उन्नयन प्रदर्शित कर और तेजी से उभर रहे डिजिटल परिदृश्य की चुनौतियों से निपट कर और अवसरों का दोहन कर पूर्व की विरासत को और समृद्ध करने का वादा करता है।

इस वर्ष की थीम भविष्य को आकार देने में नवप्रवर्तन की अहम भूमिका को रेखांकित करता है और उद्योग और आधारभूत ढांचे से लेकर समाज तक में आ रह परिवर्तन और टिकाऊपन को समर्थ बनाता है। यह निरंतर रचनात्मकता और आगे की सोच की जरूरत को रेखांकित करता है जिससे दूरसंचार, डिजिटल ढांचे और इससे परे उभरती चुनौतियों से निपटा जा सके और नए अवसरों का दोहन किया जा सके। आईएमसी 2025 उद्योगपतियों, स्टार्टअप्स और टेक्नोलॉजी को लेकर उत्साहित लोगों को साथ आकर ऐसे समाधान निकालने का आह्वान करता है जो समावेशी वृद्धि के अगले युग और डिजिटल उन्नयन में भारत के बढ़ते नेतृत्व को ताकत प्रदान करे।

दूरसंचार विभाग (डॉट) और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा आयोजित आईएमसी 2025 में 150 से अधिक देशों से 1.5 लाख से अधिक लोगों के शिरकत करने की संभावना है जहां 400 से अधिक प्रदर्शक और साझीदार और 7,000 से अधिक वैश्विक

प्रतिनिधि शामिल होंगे। वर्ष 2023 में प्रारंभ अग्रणी स्टार्टअप प्रोग्राम एस्पायर के अंतर्गत 500 से अधिक स्टार्टअप्स आएंगे और यह आयोजन उन्हें मार्गदर्शन, लाइव पिचिंग सत्रों और नेटवर्किंग के लिए 300 से अधिक निवेशकों, इनक्यूबेटर्स एक्सिलरेटर्स और वीसी से जोड़ेगा। एशिया के सबसे बड़े डिजिटल टेक्नोलॉजी फोरम में 800 से अधिक वक्ता 100 से अधिक सम्मेलन सत्रों में हिस्सा लेंगे।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, भारत आज दूरसंचार क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व कर रहा है और हमने भविष्य का कभी इंतजार नहीं किया, बल्कि हमेशा इसे आकार दिया है। 'ढ्ठ्ठश्च1ड्डह्ल ह्लश्च ञ्चह्ड्डठ्ठह्यद्घश्चह्म्द्ध' थीम इस अवधारणा को रेखांकित करती है कि परिवर्तन की इस यात्रा में भारत का दिशा सूचक यंत्र दिशा प्रदान करता रहा है। आज हम उन शीर्ष छह देशों में शामिल हैं जो 6जी पेटेंट के लिए आवेदन कर रहे हैं। हमने पूरे विश्व में सबसे जबरदस्त दूरसंचार नेटवर्क और प्रणालियों का निर्माण किया है जोकि अत्याधुनिक, ग्राहक उन्मुखी और सेवा उन्मुखी हैं। जब हम इस तरह के अवसरों के बारे में बात करते हैं तो नवप्रवर्तन को हमारे अस्तित्व के केंद्र में रखना है। 22 माह की अवधि में हमने विश्व के लिए पहला घरेलू 4जी स्टैक तैयार किया और भारत अपना खुद का दूरसंचार स्टैक तैयार करने वाले विश्व का पांचवा देश बन गया है।

केएफसी के नए वैल्यू ऑफर के साथ ईपीआईसी टेस्ट और ईपीआईसी बचत पाएं

केएफसी सभी चिकन प्रेमियों के लिए एक ईपीआईसी ऑफर लेकर आया है! भारत में केएफसी के फैन्स अब ऑल-न्यू ईपीआईसी सेवर्स के साथ अपने पसंदीदा केएफसी का आनंद ले सकते हैं। यह ऑफर इतना बढ़िया है कि आप पूरे दिन 9 फॉर 299 रिपीट करते रहेंगे।क्यों? क्योंकि केएफसी ईपीआईसी सेवर्स चिकन प्रेमियों को केवल 299/- में 9 पीस फिंगर लिकिंग गुड चिकन का स्वाद दे रहा है। इसी अविश्वसनीय मूल्य में मिल रहे हैं 7 स्वादिष्ट बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स और हॉट एंड क्रिस्पी चिकन के 2 क्रंची, ज्यूसी पीस। यह ऑफर भारत में केएफसी के सभी 1300+ रेस्टोरेंट्स में केवल डाइन-इन के लिए मान्य है। नई कैम्पेन फिल्म में सुपरस्टार एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और इंटरनेट के फनीमैन दानिश सैत दिखाई दे रहे हैं, जो अविश्वसनीय 9 फॉर 299 ऑफर देखकर खुशी से चीख उठते हैं। क्योंकि जब आपको ईपीआईसी टेस्ट और ईपीआईसी बचत दोनों एक साथ मिल सकते हैं, तो इनमें से किसी एक को क्यों चुनें? तो, आपको किसका इंतज़ार है? अपने दोस्तों और परिवार को बुलाइये और अपने नज़दीकी केएफसी में मिलकर ईपीआईसी टाइम बिताइये। भारत में 1300+ केएफसी रेस्टोरेंट्स में से किसी में भी आकर इस ईपीआईसी ऑफर का लाभ उठाइये।

कनोडिया सीमेंट लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। कनोडिया सीमेंट लिमिटेड (कंपनी), एक सीमेंट निर्माण कंपनी जो उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों में सैटेलाइट ग्राइंडिंग यूनिट्स (एसजीयू) के माध्यम से संचालित होती है और पोर्टलैंड पॉज़ोलाना सीमेंट और कम्पोजिट सीमेंट जैसे मिश्रित सीमेंट के उत्पादद्धन में विशेषज्ञता रखती है, ने बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से इक्विटी शेयर पूंजी के प्रस्ताव के जरिए धन जुटाने की योजना बना रही है। सार्वजनिक निर्गम में 14,913,930 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर है। सीआरआईएसआईएल रिपोर्ट के अनुसार, कनोडिया सीमेंट भारत में सीमेंट के अनुबंध निर्माण में अग्रणी कंपनियों में से एक है। 31 दिसंबर, 2024 तक, कंपनी पांच सैटेलाइट ग्राइंडिंग यूनिट्स (एसजीयू) संचालित करती है, जिनकी कुल सीमेंट निर्माण क्षमता 3.54 एमटीपीए है।

जून 2025 में आईआईएम रायपुर के प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के साथ अपने पेशेवर विकास को दें एक नई दिशा

रायपुर, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर, जिसे #BuildingBusinessOwners के लिए जाना जाता है, ने जून 2025 के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रमों की एक रोमांचक श्रृंखला की घोषणा की है। ये कार्यक्रम विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तैयार किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण व्यापार क्षेत्रों में नवीनतम ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है।

पाठ्यक्रम में वित्त, मशीन लर्निंग और अन्य क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। ये तीनों स्न्न्न्ह्य आईआईएम रायपुर के प्रतिष्ठित फैकल्टी सदस्यों द्वारा संचालित किए जाएंगे, जो अकादमिक गहराई और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संयोजन प्रस्तुत करते हैं। इन्हें उद्योगों और पेशेवरों की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विशेष रूप से तैयार किया गया है। वास्तविक दुनिया पर आधारित शिक्षण पद्धति के माध्यम से प्रतिभागियों को हाथों-हाथ सीखने का अवसर मिलेगा। आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, यह एक ऐसा युग है जो अस्थिरता, डेटा की अधिकता और तेज़ नवाचार से परिभाषित होता है। ऐसे में संगठनों को ऐसे अग्रणी लोगों की आवश्यकता है जो गंभीरता से सोच सकें, तेजी से अनुकूल हो सकें और निर्णायक कदम उठा सकें। आईआईएम रायपुर में हमारे प्रबंधन विकास कार्यक्रम केवल अकादमिक कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि ये परिवर्तनकारी यात्राएं हैं।

सैमसंग बना भारत में 10,000 करोड़ रूपये से ज़्यादा के टीवी बेचने वाला पहला ब्रांड

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने बताया कि साल 2024 में उसके टीवी कारोबार ने 10,000 करोड़ रूपये से ज़्यादा की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है। इस तरह सैमसंग भारत में य?ह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला ब्रांड बन गया है। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2025 में उसकी ग्रोथ और तेज़ होगी, क्योंकि अब लोग बड़े स्क्रीन और एआई तकनीक से लैस प्रीमियम टीवी ज़्यादा पसंद कर रहे हैं।

विप्लेश डांग, सीनियर डायरेक्टर, विज़ुअल डिस्प्ले बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, 2024 सैमसंग इंडिया के लिए एक यादगार साल रहा। हमने 10,000 करोड़ रूपये का टर्नओवर हासिल किया, जो हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अब हम अपने नए एआई टीवी लाइनअप के साथ और तेज़ी से आगे बढ़ना चाहते हैं। ये टीवी हर तस्वीर को और खूबसूरत बनाते हैं और घर पर ही थिएटर जैसा अनुभव देते हैं। हमें पूरा भरोसा है कि एआई स्क्रीन के इस नए दौर में हम नई जनरेशन के टीवी को लोगों के बीच तेजी से पसंदीदा बनाएंगे और भारत के प्रीमियम टीवी मार्केट में अपनी मज़बूत पकड़ बनाए रखेंगे।

पेट्रोनास टीवीएस रेसिंग ने शानदार राइडर लाइन-अप और अपग्रेडेड रेस मशीनों के साथ 17वें आईएनएससी के लिए कसी कमर

बैंगलोर , एजेंसी। पेट्रोनास टीवीएस रेसिंग का 1982 से समृद्ध रेसिंग इतिहास रहा है और यह 23-24 मई, 2025 को वड़ोदरा में शुरू होने वाले एफएमएससीआई इंडियन नेशनल सुपरक्रॉस चैंपियनशिप (आईएनएससी) के 2025 सीज़न में एक बार फिर ट्रैक पर धूम मचाने के लिए तैयार है।

2024 के एक प्रभावशाली सीज़न के बाद जिसने भारतीय दोपहिया रेसिंग में अपने नेतृत्व की पुष्टि की, भारत की पहली फैक्टरी रेसिंग टीम नए सिरे से फोकस, अपग्रेडेड मशीनों और एक शक्तिशाली 8-राइडर लाइन-अप के साथ लौटी है। इस टीम में अनुभवी चैंपियन और विशेषज्ञ राइडर जैसे ऋग्वेद बरगुजे, ईक्षण शानबाग और प्रज्वल वी शामिल हैं, जो ग्रुप ए - फॉरेन ओपन एसएक्स1 में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

श्रीराम फार्म सोल्युशन्स ने लॉन्च किए 2 नए स्पेशलटी प्लांट न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स

मुंबई, एजेंसी। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के एक प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्युशन्स ने अपने नए स्पेशलटी प्लांट न्युट्रिशन प्रोडक्ट्स का लॉन्च किया, साथ ही हाल ही में लॉन्च किए गए श्रीराम क्रॉप प्रोटेक्शन एवं सीड प्रोडक्ट्स के साथ किसानों को मिली सफलता पर भी रोशनी डाली। कार्यक्रम का आयोजन होटल प्राइड, भोपाल, मध्य प्रदेश में किया गया था, जहां क्षेत्र के चैनल पार्टनर्स इन आधुनिक समाधानों के उद्घाटन के अवसर पर इकट्ठा हुए।

इतना ही नहीं, 125 से अधिक डिस्ट्रब्यूटर्स एवं व्यूअर्स ने सेंट्रल ज़ोन की श्रीराम सुपर व्हीट सीड स्कीम की भव्य पुरस्कार समारोह में हिस्सा लिया। भारतीय किसानों की ज़रूरतों और स्थायी कृषि के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए कंपनी दो आधुनिक लिम्डि फर्टीलाइज़र लेकर आई है- 'श्रीराम पिकासोल' और 'श्रीराम मैगनिका'।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने 12.5 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि के साथ 315 करोड़ रुपये का पीएटी हासिल किया

मुंबई एजेंसी। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कंपनी) ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी डिजिटल-प्रथम रणनीति, ग्राहक-केंद्रित उत्पादों और विविध वितरण रणनीति के दम पर मजबूत प्रदर्शन किया। कंपनी ने रिटेल, कॉर्पोरेट और सरकारी व्यवसाय खंडों में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं को बनाए रखा। कंपनी, जो लगभग तीन वर्षों तक आईबीसी के तहत चुनौतियों का सामना कर रही थी, को इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) द्वारा अधिग्रहण किया गया है। कंपनी की स्थिति को पुनर्जनन देने के लिए, नए प्रवर्तक ने पहले ही 300 करोड़ रुपये की पूंजी डाली है। बीमा व्यवसाय में वितरण चैनल एक प्रमुख लाभ होने के नाते, प्रवर्तक की विशाल अखिल-भारतीय नेटवर्क से निकटता कंपनी की पहुंच को और बढ़ावा देगी। कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के सीईओ, श्री राकेश जैन ने कहा- वित्त वर्ष 2024-25 एक अनुशासित कार्यान्वयन, रणनीतिक निवेश और लचीले विकास का वर्ष रहा, भले ही बाजार गतिशील और चुनौतीपूर्ण रहा। निर्बाध ग्राहक अनुभव प्रदान करने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने और प्रतिभा में निवेश पर हमारा निरंतर ध्यान हमें एक मजबूत, भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाने में मदद करता है। हम नवोन्मेषी और विश्वसनीय बीमा समाधानों के माध्यम से लाखों भारतीयों की आकांक्षाओं की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि मार्च 2025 में रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के सीआईआरपी के सफल समापन ने इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) की देखरेख में हमारे लिए एक परिवर्तनकारी नया अध्याय खोला है। आईआईएचएल के मजबूत वित्तीय समर्थन और वित्तीय सेवाओं में सिद्ध विशेषज्ञता के साथ, हम अपने विकास यात्रा को तेज करने और भारत के सामान्य बीमा क्षेत्र में नवाचार की अगली लहर का नेतृत्व करने में सक्षम हैं।

आईपीएल समापन समारोह में खास तैयारी

ऑपरेशन सिंदूर की जीत का जश्न मनाएगा बीसीसीआई

तीनो सेनाओं के प्रमुखों शीर्ष अधिकारियों और सैनिकों को किया जाएगा आमंत्रित

मुम्बई। आईपीएल 2025 सीजन अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मंगलवार को होने वाला मुकाबला इस सीजन का आखिरी ग्रुप चरण का मैच होगा। इसके बाद गुरुवार से प्लेऑफ के मुकाबले खेले जाएंगे और फिर तीन जून को आईपीएल के 18वें सत्र का खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के समापन समारोह की तैयारियां शुरू कर दी है और इसके लिए खास योजना बनाई है।

बीसीसीआई ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने का फैसला किया है और इसके तहत बोर्ड ने समापन समारोह के लिए सीडीएस, थल सेना अध्यक्ष के साथ ही वायुसेना और नौसेना प्रमुख को भी न्योता दिया है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, बोर्ड हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है, जिनके ऑपरेशन सिंदूर ने वीरतापूर्ण प्रयास से राष्ट्र की रक्षा की और हमें प्रेरित किया। सम्मान के रूप में हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमने भारतीय सेना के तीनों सेना प्रमुख, शीर्ष रैंक के अधिकारी और जवानों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए अहमदाबाद में होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए आमंत्रित किया है। देशभक्ति की भावना को और बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम में सैन्य बैंड द्वारा प्रस्तुति दिए जाने की संभावना है, जिसके बाद एक संगीत समारोह का आयोजन किया जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक लाख से अधिक दर्शकों की उपस्थिति को देखते हुए बीसीसीआई को उम्मीद है कि समापन समारोह एक सफल कार्यक्रम रहेगा। सैकिया ने कहा, भले ही क्रिकेट राष्ट्रीय जुनून है, लेकिन हमारे देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

2019 में भी सशस्त्र बलों को समर्पित हुआ था समारोह

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब आईपीएल के दौरान सशस्त्र बलों को समर्पित कोई समारोह आयोजित किया जाएगा। 2019 में बीसीसीआई ने चेन्नई में टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह के लिए सैन्य बैंड को आमंत्रित किया था और पुलवामा आतंकी हमले के बाद सशस्त्र बलों के लिए 20 करोड़ रुपये का योगदान देने का भी संकल्प लिया था। मालूम हो कि पुलवामा हमले में 44 सीआरपीएफ जवान बलिदान हुए थे। भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर सटीक हमले किए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की, जिनका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया।

ब्रेविस ने सीएसके प्रबंधन के लिए जारी किया भावुक संदेश

मुझे मौका देने के लिए सीएसके का धन्यवाद

नई दिल्ली। पांच बार की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स का सफर आईपीएल 2025 में लीग चरण में ही समाप्त हो गया। महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में टीम ने अपना आखिरी मुकाबला गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेला और शानदार जीत दर्ज की। चेन्नई के लिए इस सत्र में डेवाल्ड ब्रेविस ने शानदार प्रदर्शन किया। अब इस खिलाड़ी ने टीम प्रबंधन के लिए भावुक संदेश जारी किया है। मंगलवार को ब्रेविस ने अपने इंस्टा अकाउंट से एक पोस्ट जारी किया। इसमें उन्होंने टीम प्रबंधन और साथी खिलाड़ियों को धन्यवाद कहा। इसके अलावा अगले साल वापसी की उम्मीद भी जताई। उन्होंने लिखा– चेन्नई प्रबंधन, कोच और इसमें शामिल सभी लोगों का मुझ पर विश्वास करने और मुझे वह करने का अवसर देने के लिए धन्यवाद जो मुझे पसंद है – क्रिकेट खेलना। पहले दिन से ही मेरा स्वागत करने के लिए मेरे साथियों का विशेष धन्यवाद। और भारत में हमारे सभी अविश्वसनीय प्रशंसकों का भी शुक्रिया। आप अद्भुत थे। चेपॉक में माहौल और समर्थन अविस्मरणीय था। मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही वापस आऊंगा। ब्रेविस को फ्रेंचाइजी ने बीच सत्र में शामिल किया था। उन्हें गुरजपनीत सिंह की जगह टीम का हिस्सा बनाया गया था, जो चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए थे। दक्षिण अफ्रीका के स्टार ऑलराउंडर डेवाल्ड ब्रेविस आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहे थे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें बीच सत्र में 2.2 करोड़ रुपये में शामिल किया था। इससे पहले वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे, जिसके लिए उन्होंने कुल 10 मैच खेले। मौजूदा सत्र में ब्रेविस ने चेन्नई के लिए कुल छह मैच खेले। इनमें उन्होंने 180 के स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए।

गावस्कर ने नये कप्तान शुभमन को किया आगाह

» अपने व्यवहार का ध्यान रखें

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम के नये कप्तान बने शुभमन गिल से कहा है उन्हें कप्तानी के दौरान अपने व्यवहार का भी ध्यान रखना होगा। गावस्कर ने कहा, कप्तान बने नये खिलाड़ी पर हमेशा दबाव रहता है क्योंकि टीम का सदस्य होने और कप्तान होने में बहुत अंतर होता है क्योंकि जब आप टीम के सदस्य होते हैं, तो आप आम तौर पर अपने करीबी खिलाड़ियों के साथ ही बातचीत करते हैं पर जब आप कप्तान बन जाते हैं, तो आपको इस तरह से समान व्यवहार करना चाहिए कि टीम के सभी खिलाड़ी आपका सम्मान करें क्योंकि उसका व्यवहा प्रदर्शन से भी अहम होता है।

वहीं इससे पहले शुभमन के कप्तान बनने पर पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा थ कि शुभमन आज कप्तान बने हैं पर इसका पूरा श्रेय उनके पिता और युवराज सिंह को जाता है। युवराज ने शुभमन को काफी कुछ सिखाया जिसका परिणाम अब सामने आया है। योगराज ने शुभमन के करियर को आकार देने में मजबूत मार्गदर्शन और परिवार के समर्थन को भी अहम बताया। साथ ही कहा कि अगर शुभमन गिल आज कप्तान बने हैं और लंबे समय तक बने रहेंगे, तो इसके पीछे युवराज का मार्गदर्शन होगा। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी।

सूर्यकुमार मुम्बई की ओर से एक सत्र में सबसे ज्यादा रन और छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

सचिन तेंदुलकर का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

जयपुर। मुंबई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में अपने आक्रामक अर्धशतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सूर्या ने इस मैच में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसी केसाथ ही सूर्या मुम्बई की ओर से एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं। सूर्या ने इसी मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के मुंबई की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार ने अब तक 14 मैचों में 640 रन बनाये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन के नाम था, जिन्होंने साल 2010 में मुम्बई की ओर से 618 रन बनाए थे। सूर्यकुमार ने साल 2023 सत्र में 605 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के लेंडल सिमंस ने साल 2015 में 540 रन बनाए थे। वहीं रोहित शर्मा ने 2013 सत्र में 538 रन बनाये थे। इस सत्र में सबसे ज्यादा बार 25 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी सूर्यकुमार के नाम है। उन्होंने 2025 सत्र में अब तक 14 बार 25 से अधिक रन बनाए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन विलियमसन के नाम था, जिन्होंने साल 2018 में 13 बार यह रिकार्ड बनाया था। वहीं शुभमन गिल ने साल 2023 सत्र में 13 बार 25 से अधिक रन बनाये थे। अब टी20 क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा बार 25 से अधिक रन बनाने का रिकार्ड सूर्यकुमार के नाम है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा के लगातार 13 बार 25 से अधिक रनों का रिकॉर्ड्स तोड़ा। इसके अलावा सूर्यकुमार ने इस सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाये। सूर्यकुमार ने अब तक 32 छक्के लगाये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम था, जिन्होंने साल 2008 में 31 छक्के लगाए थे। वहीं तीसरे स्थान पर ईशान किशन हैं, जिन्होंने 2020 में 30 छक्के लगाये थे।

क्रिकेट में दो ही गेंदबाजों के नाम है ये रिकार्ड

मुम्बई। क्रिकेट में कुछ ऐसे बातें हैं जिनके बारे में काफी कम लोगों को जानकारी है। इसी में एक डबल हैट्रिक भी है। हैट्रिक का मतलब जहां लगातार तीन विकेट लेना है। वहीं डबल हैट्रिक को लेकर लोग अंदाजा लगाते हैं कि इसमें 6 विकेट होंगे पर ऐसा नहीं है। क्रिकेट में डबल हैट्रिक तब कहा जाता है जब कोई गेंदबाज लगातार तीन से ज्यादा विकेट ले ले। कोई गेंदबाज लगातार 4 गेंद पर 4 विकेट हासिल करता है तो उसे डबल हैट्रिक कहा जाता है। क्रिकेट इतिहास में बहुत ही कम ऐसे गेंदबाज हुए हैं जिन्होंने डबल हैट्रिक ली है। इसका कारण है कि किसी भी गेंदबाज के लिए अपने ओवर में बिना किसी वाइड, नो बॉल के लगातार चार विकेट लेना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि होती है। वहीं डबल हैट्रिक की बात करें तो अंतरराष्ट्री क्रिकेट में श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा और बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने यह उपलब्धि हासिल की है। है। मलिंगा ने साल 2007 एकदिवसीय विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में लगातार चार गेंद पर चार विकेट लेकर इतिहास रचा था। इसके अलावा बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने घरेलू लीग मैच में लगातार 4 गेंद 4 विकेट लेकर ये कारनामा किया था।

धोनी का आगे खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा : उथप्पा

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह अंतिम स्थान पर रही है। नियमित कप्तान रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण सत्र के बीच में ही 43 साल की उम्र में महेन्द्र सिंह धोनी ने टीम की कप्तानी संभाली थी पर इसके बाद भी टीम के प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं आ पाया। ऐसे में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों की तरह ही धोनी के भी टीम में बने रहने पर सवाल उठे है। ये भी कहा जा रहा है कि धोनी 43 साल के हो गये हैं और अब उन्हें संन्यास ले लेना चाहिये। वहीं धोनी ने अभी इस मामले में कुछ नहीं कहा है। पूर्व क्रिकेट रॉबिन उथप्पा का कहना है कि महेन्द्र सिंह धोनी अगले आईपीएल में खेलेंगे या नहीं इस बारे में तो वह नहीं कह सकते पर ये सब उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। उथप्पा के अनुसार धोनी अगले साल 44 साल के हो जाएंगे पर जिस प्रकार से खेल से उन्हें प्यार है। ऐसे में धोनी खेलते रहना चाहेंगे पर ये इसपर भी निर्भर करेगा कि उनका शरीर कितना साथ देता है। उथप्पा ने कहा, यह सब उनकी सेहत और उनकी भावना पर निर्भर करता है। उनके अंदर खेल को लेकर जुनून है । इसका अंदाजा इसी से होता है कि धोनी ने 2025 में सीएसके के लिए हर मैच खेला और पिछले दो सत्र की तुलना में अधिक गेंदें खेलीं हालांकि, धोनी को निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए आलोचना का भी सामना करना पड़ा था।

शुभमन के लिए इंग्लैंड दौरे में कप्तानी आसान नहीं होगी : पुजारा

नई दिल्ली। पूरी टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि नये कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि इंग्लैंड के अलग हालातों में अगर वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में सफल रहे तो इससे उनका और टीम का मनोबल काफी बढ़ जाएगा जिससे लाभ आगे भी होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन को मिली है। पुजारा ने कहा, जब आप कप्तान के तौर पर विदेश जाते हैं, तो चाहे आप युवा हों या परिपक्व, यह चुनौतीपूर्ण होगा। इंग्लैंड में शुरुआत करना आसान नहीं होता है पर यह एक युवा खिलाड़ी के लिए शानदार अवसर है। अगर वह इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

पुजारा ने कहा, उन्हें अनुभवी जसप्रीत बुमराह से पहले यह जिम्मेदारी इसलिए दी गई है क्योंकि बुमराह काम के बोझ और फिटनेस की परेशानियों के कारण सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, ''इसलिए अगर ऐसे में युवा शुभमन को जिम्मेदारी दी गई है तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ता चाहेंगे कि वह लंबे समय तक टीम की कप्तानी करें।''

उन्होंने शुभमन को कप्तानी और बल्लेबाजी को अलग रखने को कह। उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर भी उन पर काफी जिम्मेदारी रहेगी पर मुझे भरोसा है कि जिस तरह की प्रतिभा उनमें है, वह इंग्लैंड में सफल होंगे। यह निश्चित रूप से उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे नहीं पता कि कप्तान होने के नाते वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं पर एक बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास किये हैं। वह हमेशा ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं, ऐसे में उनपर कप्तानी का दबाव आने की संभावना नहीं है।

पुजारा ने कहा, जब आप उच्चतम स्तर पर बल्लेबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आप कभी यह नहीं सोचते कि आप कप्तान हैं या खिलाड़ी, आप हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। आपको इसे अलग रखना होगा, जब आप मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे हों तो आपको कप्तानी के बारे में सोचने के बजाय बल्लेबाज के रूप में सोचना होगा।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी का तरीका बदलेगा, उन्हें उसी तरह बल्लेबाजी करनी होगी जैसे वह बल्लेबाजी करते हैं। वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं, उन्हें अपने शॉट खेलना पसंद है और उन्हें अपने शॉट खेलना जारी रखना होगा, लेकिन साथ ही उन्हें इंग्लैंड की परिस्थितियों को समझने और यह पता लगाने की जरूरत है कि कौन सा गेंदबाज सही है।पुजारा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के खराब फॉर्म के बावजूद उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए उपकप्तान नियुक्त करने को भी सही ठहराया। उन्होंने कहा, बुमराह कप्तान या उप-कप्तान की भूमिका की दौड़ से बाहर हैं और यही कारण है कि पंत को उप-कप्तानी दी गई है। उन्होंने कहा, वह टी-20 प्रारूप में फॉर्म में नहीं हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। इंग्लैंड में उनका रिकॉर्ड अतीत में काफी अच्छा रहा है और वह उन शानदार पारियों को दोहराने में सक्षम हैं। पुजारा चाहते हैं कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज के रूप में बने रहें, जबकि अगले स्थान के लिए करुण नायर और अभिमन्यु ईश्वरन को रखा जाये। उन्होंने कहा, अगर शुभमन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं तो अभिमन्यु ईश्वरन या करुण नायर जैसे खिलाड़ी उस स्थान के लिए उपयुक्त हो सकते हैं, लेकिन मैं फिर भी शुभमन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहूंगा।

मंत्रालयीन कर्मचारी परिवार ने किया मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान

रिक्त पद भी भरेंगे, पदोन्नति का रास्ता भी निकाल रहे हैं : मुख्यमंत्री

» राज्य कर्मचारियों का बीमा भी कराएगी सरकार » तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंगलवार को मंत्रालय परिसर में मंत्रालय कर्मचारी परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत व सम्मान किया गया। मंत्रालय परिवार ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कमल पुष्प की रजत प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी राज्यकर्मी सम्मान और साधुवाद के पात्र हैं, क्योंकि इनकी कर्मठता और सामूहिक परिश्रम से ही मध्यप्रदेश आज देश के अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जा रहा है। राज्यकर्मी सच्चे अर्थों में कर्म योगी है। ये प्रदेश की शासन और प्रशासन व्यवस्था की धुरी हैं। राज्यकर्मी पूरी निष्ठा और मेहनत से अपने पदीय दायित्व निभाएं, इनके सभी हितों और अनुलाभों (इंसेंटिव्स) का सरकार पूरा-पूरा ध्यान रखेगी। उन्होंने कहा कि सरकार सभी रिक्त पदों को क्रमशः भरने की दिशा में आगे बढ़ रही है। जल्दी ही सभी रिक्त पद भरे जाएंगे। पदोन्नति वाले मसले पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस मामले से जुड़े दोनों पक्षों के साथ चर्चा कर शासकीय सेवकों को पदोन्नति देने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता से सभी जरूरी कदम उठा रही है। जल्द ही मामले का सकारात्मक समाधान निकालकर पात्रों को पदोन्नति दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार सभी राज्य कर्मचारियों का बीमा कराने की मंशा से आगे बढ़ रही है। सरकार की मंशा है कि सभी राज्य कर्मियों के खुद के मकान भी हों। राज्य कर्मियों को अपने बच्चों को पढ़ाने-लिखाने में सरकार मदद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर कर्मचारी-अधिकारी की क्षमता और योग्यता का पूरा लाभ लेंगे और प्रदेश की बेहतरी के लिए उसका सदुपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी राज्यकर्मी शासन व्यवस्था का अभिन्न अंग है इसलिए इनके हित संवर्धन के लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में प्रदेश का हित है और प्रदेश के हित में ही राष्ट्र का हित है।

कार्यक्रम के संयोजक श्री सुभाष वर्मा द्वारा स्वागत उद्बोधन देकर केन्द्र सरकार के समान राज्य कर्मियों को महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, सचिवालय भत्ता व अन्य सभी कर्मचारी हितैषी निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया और अपना मांग पत्र भी सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर मार्ल्यापण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्रालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ एवं पौधा भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय परिवार द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व किया और यात्रा को उसके गंतव्य स्थल की ओर रवाना किया। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री तथा भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप, क्षेत्रीय विधायक श्री भगवान दास सबनानी के अलावा श्री कुलदीप गुर्जर, श्री घनश्याम दास भकोरिया, श्री संजय राठौर, श्री जी.पी. सिंह सहित मंत्रालयीन अधिकारी कर्मचारी संघों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष,अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में मंत्रालय के कर्मचारी बन्धु उपस्थित थे।

एक्सीलेंस और मॉडल स्कूलों में बिना प्रवेश परीक्षा मिलेगा एडमिशन

» रिक्त सीटों को भरने नियम में बदलाव, क्लास 6 से क्लास 8 तक के आवेदन शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में दाखिले को लेकर बदलाव किया गया है। यह बदलाव जिला उत्कृष्ट विद्यालयों और मॉडल स्कूलों में खाली पड़ी सीटों को भरने के लिए किया गया है। जिसके तहत अब एंट्रेंस एग्जाम (प्रवेश परीक्षा) पास करने वालों के एडमिशन के बाद भी यदि सीटें रिक्त रहती है तो सीधे दाखिला दिया जाएगा। हालांकि, इसके के लिए पहले आवेदन करना अनिवार्य होगा। क्लास 6 से क्लास 8 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 31 मई तक चलेगी। लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार, पहले एंट्रेंस एग्जाम के बाद भी सीटें खाली रह जाती थीं। उन पर किसी को मौका नहीं मिल पाता था। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा। एक बार आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 2 जून तक मैरिट लिस्ट तैयार की जाएगी। जिसे 9 जून को जारी किया जाएगी। इसके साथ ही स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जो 14 जून तक चलेगी।

मॉडल स्कूलों में दाखिले के बदले नियम

राज्य के मॉडल स्कूलों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के लिए नए दाखिला नियम लागू किए गए हैं। कक्षा 9वीं में सबसे पहले उन छात्रों को प्रवेश मिलेगा जो ओपन स्कूल की प्रवेश परीक्षा से चयनित हुए हैं। यदि इसके बाद सीटें खाली रहती हैं, तो वेटिंग लिस्ट में शामिल छात्रों को बुलाया जाएगा। कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं में उन्हीं विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा जिन्होंने उसी मॉडल स्कूल से पिछली कक्षा उत्तीर्ण की हो। जैसे - जो छात्र 9वीं में उस स्कूल में थे और पास हुए हैं, उन्हें 10वीं में सीधे दाखिला मिलेगा। यदि ऊपर बताए गए सभी विकल्पों के बाद भी सीटें खाली रह जाती हैं, तो स्कूल अपने स्तर पर विज्ञापन जारी करेंगे। उसमें यह बताया जाएगा कि किस कक्षा में कितनी सीटें रिक्त हैं, और फिर उन पर खुले आवेदन लेकर दाखिले दिए जाएंगे। कक्षा 6वीं से 8वीं तक में भी दाखिले की अनुमति होगी, लेकिन यह तभी किया जाएगा जब 9वीं से 12वीं तक की सीटें भरने के बाद भी रिक्तता बनी रहे।

:ज़िपं उपाध्यक्ष ने बैठक में सुनाई थी ऑडियो, प्रभारी मंत्री से की थी शिकायत

डीपीसी को हटाया, रुपए लेन-देन से सुर्खियों में आए

भोपाल। भोपाल जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) ओपी शर्मा को सरकार ने हटा दिया है। उन्हें लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ किया गया है। हाल ही में एक कर्मचारी से रुपए लेन-देन की रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया में वायरल हुई थी। जिसके चलते वे सुर्खियों में आए थे। जिला पंचायत में हुई शिक्षा समिति की बैठक में भी यह मुद्दा उठा था। हालांकि, निंदा प्रस्ताव न आए, इसलिए डीपीसी शर्मा ने जनप्रतिनिधियों के हाथ भी जोड़े थे।

इसी मीटिंग में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने वायरल रिकॉर्डिंग भी सुनाई थी। शिक्षा समिति के सभापति जाट, सदस्य विनय मेहर, विक्रम भालेश्वर, सदस्य प्रतिनिधि अनिल हाड़ा, विनोद राजोरिया भी ऑडियो को लेकर नाराज नजर आए थे। सभापति जाट ने मीटिंग में डीपीसी के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव लाने की बात कहीं थी। आगे की कार्रवाई शुरू होती, इससे पहले ही डीपीसी ने कहा कि मुझे साजिश का शिकार बनाया जा रहा है। रिकॉर्डिंग पुरानी है। अभी क्यों वायरल की, ये मुझे नहीं पता। जांच में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। मीटिंग के चौथे दिन ही सरकार ने डीपीसी शर्मा के हटाने के आदेश जारी कर दिए।

सभापति ने रिकॉर्डिंग सुनाकर बताई थी- बैठक के दौरान सभापति जाट ने रुपए लेन-देन वाली रिकॉर्डिंग सुनाकर बताई थी। इसके बाद डीपीसी शर्मा से जवाब चाहा गया था। वहीं, जिले में प्राइवेट स्कूलों की मान्यता को लेकर भी सवाल उठाए गए थे।

संचालनालय में देनी होगी उपस्थिति- शर्मा को हटाया जरूर गया है, लेकिन उनकी जगह किसी की पदस्थापना नहीं की गई है। वहीं, शर्मा की भी नई भूमिका तय नहीं हुई है। इसे लेकर जल्द ही आदेश आएंगे। दूसरी ओर, शर्मा को अब अगले आदेश तक लोक शिक्षण संचालनालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी।

भोपाल समेत प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को गाइडलाइन का इंतजार

प्रदेश में कोरोना के 5 एक्टिव केस, जांच कम हो रही

भोपाल। देश में कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। देश में एक्टिव केस की संख्या 1047 हो गई है, जो तीन दिन पहले लगभग 316 थी। मध्यप्रदेश में भी 5 एक्टिव केस है। इनमें इंदौर में 4 और उज्जैन में 1 कोविड केस सामने आया है।

कोरोना के बढ़ते मामलों के पीछे वायरस के लगातार हो रहे म्यूटेशन और दो नए सब-वैरिएंट का सक्रिय होना मुख्य कारण माना जा रहा है। हालांकि इसके बाद भी भोपाल समेत प्रदेश के कुछ बड़े शहरों में कोरोना को लेकर तैयारी और जागरूकता की कमी दिख रही है। भोपाल में सरकारी अस्पताल संदिग्ध कोरोना मरीजों की जांच के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, उज्जैन में भी यही हालात हैं। किसी सरकारी अस्पताल में जांच नहीं की जा रही है। अधिकारियों को कहना है कि फिलहाल कोविड को लेकर कोई गाइडलाइन नहीं मिली है।

JN.1, ओमिक्रॉन के B2.86 का एक स्ट्रेन है। इसे अगस्त 2023 में पहली बार देखा गया था। दिसंबर 2023 में WHO ने इसे वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट घोषित किया। इसमें करीब 30 म्यूटेशन्स हैं, जो इम्यूनिटी कमजोर करते हैं। अमेरिका के जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार JN.1 अन्य वैरिएंट की तुलना में ज्यादा आसानी से फैलता है, लेकिन यह बहुत गंभीर नहीं है। दुनिया के कई हिस्सों में यह सबसे आम वैरिएंट बना हुआ है। JN.1 वैरिएंट के लक्षण कुछ दिनों से लेकर हफ्तों तक रह सकते हैं। अगर आपके लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो हो सकता है कि आपको लंबे समय तक रहने वाला कोविड हो। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें कोविड-19 के कुछ लक्षण ठीक होने के बाद भी बने रहते हैं। हालांकि, भोपाल एम्स के डॉक्टरों ने आश्वस्त किया है कि JN-1 तेजी से फैलता जरूर है, लेकिन यह आमतौर पर गंभीर बीमारी पैदा नहीं करता। फिर भी, दुनिया के कई हिस्सों में यह वैरिएंट सबसे आम बना हुआ है, जो सतर्कता की जरूरत को दर्शाता है। एक्सपर्ट के अनुसार, कोरोना के बढ़ते मामलों की सटीक वजह जानने और किस वैरिएंट का कितना प्रभाव है, इसकी पुष्टि के लिए ज्यादा से ज्यादा संदिग्ध मरीजों की जांच और उनके सैंपल्स की जीनोम सीक्वेंसिंग कराना अनिवार्य है।

बदमाश ने बीच सड़क पर तलवार मारकर किया दुकानदार को घायल

दैनिक प्रदेश वर्तमान, सिटी रिपोर्टर इकबाल हसन

भोपाल। भोपाल नगर में अपराधियों के आतंक के सामने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा हो रहा है अपराधी किस्म के बदमाश लोग दिनदहाड़े दुकानदारों पर सामान के बदले पैसा ना देकर विवाद करते हैं और तलवार चला कर उनको मरणासन्न कर देते हैं ताजा मामला छोला थाना क्षेत्र के करौद क्षेत्र में कृषि उपज मंडी गेट के सामने भोलेनाथ भोजनालय का है जहां विगत रात्रि रोहित दोहरे दुकान संचालक के पिता संतोष कुमार दोहरे भोजनालय पर बैठे थे क्षेत्र का बदमाश रंजीत सरदार जो कई अपराधों में सं पूर्व में ? सलिपत रहा है सुंदर कॉलोनी का निवासी बड़ा आतंक मचा रहा है दुकानदारों पर दिनदहाड़े तलवार चला देता है और पुलिस कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति देती है बहुत शर्मनाक बात है इन बदमाशों के साथ पुलिस को उत्तर प्रदेश जैसा जुलूस निकालकर बुलडोजर चलाकर सबक सिखाना चाहिए जिससे कोई भी अपराधी या अपराधी प्रवृति का व्यक्ति या बदमाश भविष्य में येसी किसी भी प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने से पहले जरूर सोचे।

6.75 लाख के 46 मोबाइल बरामद

असली मालिकों को लौटाए, सीईआईआर पोर्टल बना पुलिस का हथियार

भोपाल। भोपाल कमला नगर थाना पुलिस ने तकनीक का इस्तेमाल कर गुम हुए 46 मोबाइल फोन बरामद किए और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंप दिया हैं। ये सभी मोबाइल अलग-अलग कंपनियों के हैं, जिनकी कुल कीमत 6.75 लाख से ज्यादा आंकी गई है। पुलिस उपायुक्त (जोन-1) प्रियंका शुक्ला ने स्वयं फरियादियों को मोबाइल लौटाए।

मोबाइल बरामदगी में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा संचालित सीईआईआर पोर्टल पुलिस के लिए मददगार साबित हुआ। इस पोर्टल के जरिए मोबाइल की लोकेशन ट्रैक की गई और फिर उन्हें अलग-अलग जगहों से बरामद किया गया। भोपाल के सभी थानों में अब इस पोर्टल के संचालन के लिए प्रशिक्षित स्टाफ तैनात किया गया है। कमला नगर थाने की महिला आरक्षक दीपमाला ने इस कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने फरियादियों की शिकायत के आधार पर पोर्टल पर डेटा अपलोड किया, लोकेशन ट्रैक की और फिर मोबाइल की बरामदगी से लेकर सुपुर्दगी तक की पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। मोबाइल पाने वालों में एक प्राइवेट कर्मचारी भी शामिल था, जिसकी महीने की आमदनी सिर्फ 10-12 हजार रुपए है। उसका मोबाइल उसकी सैलरी से भी महंगा था। जब उसे कमला नगर थाने से फोन आया कि उसका मोबाइल मिल गया है, तो उसे यकीन नहीं हुआ।

लेकिन जब उसे थाने बुलाकर मोबाइल सौंपा गया, उसने भोपाल पुलिस को धन्यवाद दिया।

27 डीएसपी, सहायक सेनानी बने एएसपी, 53 के हुए ट्रांसफर

भोपाल, इंदौर और जबलपुर में की पदस्थापना, बनाए एएसपी, एआईजी और उपसेनानी

भोपाल। गृह विभाग ने मंगलवार को राज्य पुलिस सेवा के 27 अधिकारियों को प्रमोट कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सहायक पुलिस महानिरीक्षक और उप सेनानी के पद पर पदस्थ किया है। इस तबादला आदेश में एडिशनल एसपी आगर मालवा, जबलपुर के अलावा भोपाल और जबलपुर पुलिस आयुक्त के कार्यक्षेत्र में पदस्थापना की गई है। पदोन्नति पाने वालों में भोपाल में पदस्थ नीरज कुमार राठौर, रणजीत सिंह राठौर, स्वाती मुराब, दीपक नायक शामिल हैं। उधर आज एक अन्य आदेश जारी कर 53 डीएसपी, एसडीओपी, सीएसपी के तबादले किए गए हैं।

ये बने हैं एडिशनल एसपी- गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य पुलिस सेवा के जिन अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद पर प्रमोट किया गया है उनके नाम इस प्रकार हैं। इस सूची में इंदौर नगरीय पुलिस के डीएसपी और सहायक सेनानी स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

इनको मिला प्रमोशन और पदस्थापना- संजय कौल सहायक सेनानी 13वीं बटालियन एसएएफ ग्वालियर से उप सेनानी 14वीं बटालियन एसएएफ ग्वालियर। नीरज कुमार ठाकुर सहायक सेनानी 23वीं बटालियन एसएएफ भोपाल से उप सेनानी 25वीं बटालियन एसएएफ भोपाल। कमला रावत सहायक सेनानी 14वीं बटालियन ग्वालियर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैंड 7वीं वाहिनी एसएएफ भोपाल। रणजीत सिंह राठौर सहायक सेनानी 25वीं बटालियन एसएएफ भोपाल से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल। सुभाष शर्मा सहायक सेनानी प्रथम बटालियन एसएएफ इंदौर से उप सेनानी 32वीं वाहिनी एसएएफ उज्जैन। वेदांत प्रकाश शर्मा सहायक सेनानी आरएपीटीसी इंदौर से उप सेनानी आरएपीटीसी इंदौर। रवि प्रकाश द्विवेदी उप पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा पीएचक्यू से सहायक पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा पीएचक्यू भोपाल। सूरजमल राजौरिया सहायक सेनानी 7वीं वाहिनी एसएएफ भोपाल से उप सेनानी 10वीं बटालियन एसएएफ भोपाल। अरविंद सिंह सूर्या सहायक सेनानी उच्च न्यायालय सुरक्षा जबलपुर से उप सेनानी प्रथम वाहिनी एसएएफ इंदौर। विपिन शिल्पी सहायक सेनानी प्रथम वाहिनी इंदौर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू। लामू सिंह श्याम सहायक सेनानी 6वीं बटालियन एसएएफ जबलपुर से उप सेनानी 6वीं बटालियन एसएएफ जबलपुर।

ये अफसर भी हुए प्रमोट- रविंद्र कुमार बोयट एसडीओपी मूंदी नर्मदानगर खंडवा से एडिशनल एसपी आगर मालवा। सुरेश कुमार दामले एसडीओपी बरेली रायसेन से एडिशनल एसपी रेल भोपाल। अलरिज बिसेंट डीएसपी आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल। शेर सिंह भूरिया डीएसपी आजाक रतलाम से एसपी अजाक इंदौर। स्वाती मुराब वाडेकर सहायक पुलिस आयुक्त मुख्यालय और प्रशिक्षण नगरीय पुलिस भोपाल से सहायक पुलिस महानिरीक्षक पीएचक्यू भोपाल। नरेश बाबू अन्नोटिया सहायक पुलिस आयुक्त यातायात जोन 1 नगरीय पुलिस इंदौर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात जोन 3 इंदौर नगरीय पुलिस। गीता डोंगरे चौहान डीएसपी पीटीएस इंदौर से एडिशनल एसपी पीटीसी इंदौर। नदीम उल्लाह खान डीएसपी विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय से उप सेनानी सुरक्षा वाहिनी विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय भोपाल।

मंत्री परमार ने रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी प्रचार रथ को हरी दिखाई झंडी

तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया है जारी

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को भोपाल स्थित सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय से, रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में शत-प्रतिशत प्रवेश के संबंध में प्रचार-प्रसार एवं विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से तैयार प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ 10वीं पास विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होंगे। यह प्रचार रथ, भोपाल शहर एवं आस-पास के गांवों में तकनीकी शिक्षा अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश की प्रक्रिया एवं अन्य जानकारियों से विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को अवगत कराएगा। ज्ञातव्य है कि संचालनालय तकनीकी शिक्षा द्वारा सत्र 2025-26 के लिए तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है।

स्वत्ताधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576